क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

E-mail: krantisamay@gmail.com
संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 225, सोमवार, 10 सितम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी को हराने के लिए महागठबंधन लोकतंत्र के लिए घातकः इस्पात मंत्री

रोहतक।

मोदी को हराने के लिए महा गठबंधन बनने की चर्चाओं पर केंद्रीय इस्पात मंत्री बीरेंद्र सिंह का कहना है कि ऐसे गठबंधन लोकतंत्र के लिए घातक है, ऐसे गठबंधन से कोई फर्क नहीं पडने वाला है। रोहतक जिले के सांपला स्थित छोटूराम संग्राहलय में 104 फीट के राष्ट्रीय ध्वज के ध्वजारोहण कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। इसी कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे पूर्व सांसद व कांग्रेस नेता नवीन जिंदल ने कहा कि सुभाष चंद्रा से उनके सभी विवाद खत्म हो चुके हैं। वे भाजपा में नहीं जाएंगे और कांग्रेस से चुनाव लडने का फैसला पार्टी को करना है। वहीं हरियाणा सरकार के मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के झंडे का रंग भी बदला जाना चाहिए, क्योंकि इससे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान होता है। बीरेंद्र सिंह ने कहा कि सांपला क्षेत्र में वे एक अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम बनवाने के लिए काम कर रहें हैं। ताकि क्षेत्र का तो विकास तो होगा ही, साथ ही युवाओं के लिए खेल के क्षेत्र में प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। जमीन का सर्वे किया जा चुका है। साथ ही मोदी को हराने के लिए बनने वाले गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि इस तरह के गठबंधन पहले भी बहुत बने हैं। लेकिन ऐसे गठबंधन केवल अवसरवादी होते हैं। वहीं कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे हरियाणा सरकार के मंत्री नरबीर सिंह बोले सरकार राजमार्गों की हालत सुधारने के लिए काम कर रही है।

साथ ही प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने का काम किया जा रहा है। वहीं अरावली पर्वत से कटाई करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। किसी को भी प्रयावरण से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

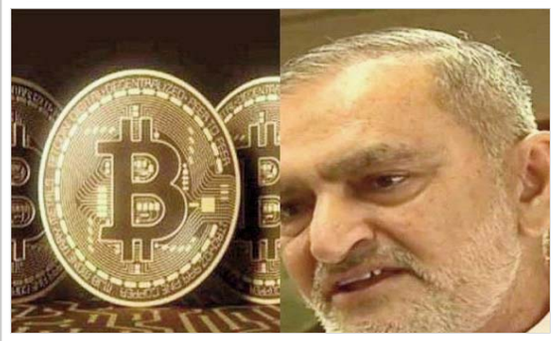

गुजरात बिटक्वाइन मामलाः फरार पूर्व भाजपा विधायक महाराष्ट्र से गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात के पूर्व भाजपा विधायक नलिन कोटडिया को बिटक्वाइन की हफ्ता वसूली मामले में महाराष्ट्र के जलगांव जिले के अमलनेर से रविवार को गिरफ्तार किया गया। एक अदालत से उन्हें भगोड़ा करार दिये जाने के तीन महीने के बाद यह गिरफ्तारी की गयी है। पुलिस ने बताया कि यह कुछ पुलिस अधिकारियों द्वारा सूरत के एक बिल्डर से नौ करोड़ रूपये मूल्य का बिटक्वाइन की कथित हफ्ता वसूली से जुड़ा मामला है। बिटक्वाइन एक डिजिटल करेंसी है। अपराध शाखा (अहमदाबाद) के डीसीपी दीपन भद्रन ने कहा, ''बिटक्वाइन फिरौती मामले में वांछित नलिन कोटडिया को रविवार को (महाराष्ट्र में) धुले के नजदीक अमलनेर से गिरफ्तार किया गया।'' गुजरात की स्थानीय अदालत ने इस साल मई में कोटडिया के खिलाफ एक गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। सीआईडी (अपराध) ने अदालत को बताया था कि भाजपा नेता गिरफ्तारी से बच रहे हैं। इसके बाद अदालत ने 18 जून को पूर्व विधायक को भगोड़ा करार दिया था। मामले में अब तक अमरेली जिला के पूर्व पुलिस अधीक्षक जगदीश पटेल सहित एक दर्जन से अधिक अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

रिपेयर न होने के कारण खंडहर हो रही हैं हरियाणा परिवहन की एसी बसें

चंडीगढ़। हरियाणा की शान वॉल्वो बस जो पर्यटकों को इंटरनेशनल और डोमेस्टिक एयरपोर्ट के साथ पर्यटन स्थलों तक बेहतर परिवहन सुविधा दे रही थी वो आज धूल फांक रही है। सभी बसें अपने निर्धारित किलोमीटर पूरे कर चुकी हैं। हरियाणा सरकार ने पिछले चार साल से कोई नई बस नहीं खरीदी गई है। चालक संघ के प्रधान शमशेर सिंह ने बताया कि सरकार ने इन बसों को परिवहन के बेड़े में शामिल किया। इन बसों ने लोगो को बेहतर सुविधा भी प्रदान की जिसे लोगों ने पसंद भी किया। लोग अपने निजी वाहनों की बजाय इन बसों में जाना अधिक पसंद करते हैं उन्होंने बताया कि हरियाणा रोडवेज के चंडीगढ़ डिप्पु में ऐसी 20 बसें आई जिनमें से केवल 8 बसें ही चल रही हैं, कुछ हल ही में रिपेयर होकर आई है। बाकि बसें धूल फांक रही है इससे आम लोगों के साथ साथ सरकार को भी नुकसान हो रहा है। चंडीगढ़ के साथ साथ 20 गाडियां गुरुग्राम डिपो को दी गई थी, जिनमें से अब 2 गाडियां अब करनाल डिपो को दी गई हैं। वॉल्वो बसों के चलते चलते अचानक ब्रेक लगने की शिकायत को लेकर शमशेर सिंह ने बताया की अधिकारीयों और सरकार की लापरवाही के कारण इनकी रिपेयर नहीं हुई है। वही यूनियन प्रधान बलवान ने बताया की हमारे पास ऐसी 10 वॉल्वो और 10 बेंज बस आई थी। उन्होंने बताया की इनकी निर्धारित किलोमीटर केवल 10 लाख किलोमीटर होती है वहीं यह बसें 15 लाख किलोमीटर तय कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय पर इनकी देख रेख हो तो यह और अधिक सेवाएं दे सकती हैं। उन्होंने कहा की यात्रियों की भी इन बसों को लेकर मांग है लेकिन सरकार नई बसें नहीं ला रही। उन्होंने कहा की सरकार प्राइवेट बसों को लाकर चहेते लोगो को फायदा पहुंचा रही है। परिवहन मंत्री कृष्ण लाल पंवार का भी कहना है कि प्रदेश में एसी बसों की कमी है और जो पहले की बसें है उनका समय पूरा हो गया है। उन्होंने बताया कि इस साल 350 नई बसें खरीदी जाएंगी। जिनमें 150 डीलक्स एसी श्रेणी की होंगी।

दिल्ली-एनसीआर में महसूस किए गए भूकंप के झटके

नेशनल डेस्क। दिल्ली एनसीआर में रविवार शाम भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि रिक्टर स्केल पर अभी भूकंप की तीव्रता का पता नहीं चला है। हालांकि अभी तक किसी जान-माल के कोई नुकसान की खबर नहीं है। ऊंची इमारतों में रहने वाले लोगों ने भूकंप के झटके ज्यादा महसूस किए जिसके बाद दहशत में अधिकतर लोग फौरन घरों से बाहर आ गए। गौरतलब है कि दिल्ली भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। ये झटके हल्के बताए जा रहे हैं। घरों मे लगे पंखे-झूमर हिलने लगे, जिससे लोगों को भूकंप आने का पता चला।

कश्मीर में खत्म होने के करीब आतंकवाद, दो साल में 360 आतंकी ढेर

नेशनल डेस्क।

सीआरपीएफ के महानिदेशक (डीजी) राजीव राय भटनागर ने कहा कि सुरक्षा बलों के एक के बाद एक अभियान के कारण कश्मीर घाटी में आतंकियों की ''उम्र'' घट गयी है और दो साल में ही 360 से ज्यादा आतंकी मारे जा चुके हैं। उन्होंने साक्षात्कार में कहा कि घाटी में आतंकी समूहों से जुडने वाले स्थानीय नौजवानों की संख्या का आंकड़ा बढ़ा है लेकिन सुरक्षा बल युवाओं को हथियार उठाने से रोकने के लिए सभी मुमकिन तरीके से उन तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। भटनागर ने कहा कि सुरक्षा चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सीआरपीएफ ने जम्मू कश्मीर में अपने जवानों की सुरक्षा का स्तर बढ़ा दिया है। समूचे शरीर की हिफाजत के लिए बचाव के साधन, बुलेट प्रूफ वाहन, विशेष बख्तरबंद वाहन के जरिए जवान काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकी...उनमें से कुछ बाहरी हैं और कुछ दिग्भ्रमित (स्थानीय) युवा हैं जो आतंकी समूहों से जुड़ रहे हैं। आतंकियों की उम्र, जिंदा बचने का समय, बहुत कम है इसलिए उनकी संख्या भले ज्यादा हो लेकिन परिणाम सीमित है। देश के सबसे बड़े अर्द्धसैनिक बल के प्रमुख ने कहा कि युवक आतंकी संगठन में जा रहे हैं क्योंकि इसको लेकर थोड़ा आकर्षण है लेकिन उन्हें समझना होगा उन्हें कोई नतीजा नहीं मिलने वाला। उन्होंने युवाओं के हथियार उठाने पर कहा कि निश्चित तौर पर यह ऐसी चीज है कि हमें इसे रोकना होगा और उपयुक्त कदम उठाना होगा ताकि युवा आतंकी रास्ता अख्तियार नहीं करें और जिन्होंने ऐसा किया है वो वापस आ जाएं। भटनागर ने कहा कि सुशासन, कामकाज में पारदर्शिता और बहुआयामी कदम से जम्मू कश्मीर और घाटी में लोगों और युवाओं में विश्वास बढ़ाने का काम किया जा रहा है। सीआरपीएफ प्रमुख ने कहा कि उनका बल और राज्य पुलिस तथा सेना बेहतर तालमेल से काम कर रहे हैं। कश्मीर घाटी में 60 से ज्यादा बटालियन (60,000 से ज्यादा कमी) तैनात हैं।

अब आवारा पशुओं का भी बनेगा आधार कार्ड

अहमदाबाद। सूरत महानगर पालिका ने आवारा पशुओं, विशेष रूप से गायों के सड़कों पर घूमने के कारण होने वाली परेशानियों से निपटने का नायाब तरीका निकाला है। निकाय इन पशुओं के कानों में एक टैग लगाएगी और उसे मवेशी मालिकों के आधार कार्ड से जोड़ेगी। सूरत महानगर पालिका के बाजार अधीक्षक डॉक्टर प्रफुल्ल मेहता ने बताया कि मवेशी के कान में लगाए जाने वाले प्रत्येक टैग में एक मवेशी पंजीकरण संख्या (सीआरएन) होगी और यह टैग मवेशी मालिक के आधार कार्ड से जुड़ा रहेगा। इसके माध्यम से निकाय के लिए ऐसे लोगों की पहचान करना और उन्हें दंडित करना आसान होगा जो अपने पशुओं को सड़कों को आवारा घूमने के लिए छोड़ देते हैं जिससे लोगों को असुविधा होती है और यातायात बाधित होता है। स्थानीय निकाय ने अभी तक शहर के करीब 25,000 आवारा मवेशियों के कान में टैग लगाया है और उन्हें 1,500 मालिकों के आधार कार्ड से जोड़ा गया है। 1,500 लोगों के करीब 25,000 मवेशियों का कंप्यूटराइज्ड डेटा तैयार किया है। सीआरएन को मालिकों के आधार कार्ड से जोड़ा गया है। मेहता ने कहा कि शहर का दायरा बढने के साथ ही आवारा मवेशियों की समस्या भी बढ़ी है।मवेशियों के मालिक अपनी मर्जी से टैग लगवाने के लिए नहीं आते हैं। इसलिए, हम जब भी आवारा पशुओं को पकड़ते हैं, उन्हें टैग करके उन्हें एक सीआरएन देते हैं। जब उसका मालिक अपने मवेशी को लेने आता है तो हम उसकी जानकारी लेकर उसे सीआरएन के साथ जोड़ लेते हैं।

केरल : कुएं में मिला नन का शव, कमरे में थे खून के निशान

कोल्लम। केरल में कोल्लम के पथानपुरम स्थित माउंट टबोर कॉन्वेन्ट में एक कुएं से रविवार को 54 वर्षीय एक नन का शव बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि सिस्टर सुजैन कॉन्वेन्ट से संबद्ध एक स्कूल में शिक्षिका थी। उन्होंने बताया कि मृतक नन के कमरे के अंदर और उस कुएं के पास खून के धब्बे पाए गए जहां से आज सुबह शव बरामद किया गया। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब नौ बजे कुएं में नन का शव मिलने की खबर मिली। कांग्रेस नेता बिन्दू कृष्णा ने मौत को दुखद बताया है। उन्होंने दावा किया, ''उसके कमरे में खून के धब्बे मिले और खबरों के मुताबिक उसके बाल भी कटे मिले हैं।'' उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

पाकिस्तानी लेखक ने सिद्धू की पंजाबियत पर उठाए सवाल, इमरान पर भी साधा निशाना

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान जाने और वहां के आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा से गले मिलने को लेकर देश में आलोचना झेल रहे पंजाब के कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू अब जाने -माने पाकिस्तानी लेखक तारिक फतह के निशाने पर हैं। एक चैनल के कार्यक्रम में सवाल का जवाब देते हुए तारिक फतह ने कहा कि इमरान खान के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने पाकिस्तान जाने और वहां के आर्मी चीफ बाजवा से गले मिलने का सिद्धू का कदम गलत था। उन्होंने कहा कि पहली बात तो सिद्धू को पाकिस्तान जाना ही नहीं चाहिए था, लेकिन अगर गए ही थे, तो आर्मी चीफ बाजवा की बजाय जेल में बंद मरियम नवाज से मिलकर आते तो असली पंजाबी कहलाते। इस दौरान तारिक फतह ने जेल में बंद पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मरियम आज दुनिया की सबसे बहादुर लेडी हैं। इससे पहले पाकिस्तान में किसी जमाने में बेनजीर भुट्टो सबसे बहादुर लेडी थीं, जिनको मार दिया गया। पाकिस्तान में किस-किसको नहीं मारा गया? पाकिस्तान में ऐसा कानून है कि कोई भी किसी का कत्ल करके रिहा हो सकता है. इसके लिए उसको सिर्फ पैसे देने पड़ते हैं। बता दें कि नवजोत सिंह सिद्धू पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री इमरान खान के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने पाकिस्तान गए थे और वहां पर आर्मी चीफ बाजवा से गले मिले थे, जिसको लेकर काफी बवाल हुआ था।भाजपा समेत कई राजनीतिक और गैर राजनीतिक संगठनों ने उनकी कड़ी आलोचना की थी। इसके अलावा खुद को भारत का एजेंट बताए जाने के सवाल पर तारिक फतह ने कहा, मैं बलूचिस्तान का एजेंट हूं और सिंध में पैदा हुआ हूं। सिंध के एजेंट को हिंदुस्तान का एजेंट बताया जाना मेरे लिए गर्व की बात है।

शहीद अब्दुल रशीद की बेटी जोहरा फिर आई चर्चा में

श्रीनगर।

पिछले साल पिता के अंतिम संस्कार के दौरान रोती हुई जोहरा की भावुक तस्वीर सोशल मीडिया पर छा गई थी और अब एक साल बाद 8 वर्षीय इस बच्ची का कहना है, ''इस बार, मैं पापा को जाने नहीं दूंगी।'' उसके घर वालों ने उसे (झूठ) दिलासा दिया है कि उसके पिता एक दिन लौटेंगे। पिछले साल 28 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के सहायक उप-निरीक्षक अब्दुल रशीद शाह की पिछले साल हत्या कर दी थी। उनके पेट में गोली लगी थी और वह शहीद हो गए थे। हमले के समय वह निहत्थे थे। शाह की बड़ी बेटी बिल्किस ने कहा कि जोहरा पूछती रहती है कि उसके पिता कहां गए हैं। वह गमगीन थी।

हमें आखिरकार उसे दिलासा देना पड़ा कि वह हज पर गए हैं और शीघ्र लौटेंगे। जोहरा के चेहरे पर मुस्कान लौटाने में मुझे और मेरी अम्मी नसीमा को बड़ी मशक्कत करनी पड़ी। जोहरा अपनी बड़ी बहन की बातों से संतुष्ट नजर आई लेकिन उसने बोला, ''इस बार, मैं पापा को जाने नहीं दूंगी।'' जोहरा खिलौने से खेलती है और उसकी बहन परिवार के अच्छे दिनों की तस्वीरें दिखाती है। जब जोहरा से कोई पूछता है तो वह किसे सबसे ज्यादा प्यार करती है तो वह चहककर कहती है, 'पापा'। और बिल्किस उसे अपने गले से लगा लेती है। पिता के अंतिम संस्कार के समय रोती हुई जोहरा की तस्वीर सोशल मीडिया पर फैली थी और लोगों ने अपनी सहानुभूति प्रकट की थी।

केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था, ''हम इस बच्ची जोहरा के अश्रूपूरित चेहरे को बर्दाश्त नहीं कर सकते।'' इस परिवार और शाह की दूसरी पत्नी शगुफ्ता के लिए पिछला एक साल बड़ी मुश्किलों से भरा रहा है। पुलिस विभाग से कोई राहत नहीं मिलने से उनके लिए चीजें बड़ी मुश्किल भरी हो गई।

पेट्रोल व डीजल के लगातार बढ़ते दामों को लेकर कल भारत बन्दः कांग्रेस

रोहतक।

अंतरराष्ट्रीय मार्किट में कच्चे तेल के दामों में गिरावट के बाद भी तेल के दाम आसमान छू रहे हैं। इसी को लेकर कल कांग्रेस ने भारत का ऐलान किया है। रोहतक पहुंचे हरियाणा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार पेट्रोल और डीजल बढ़ा कर 11 लाख करोड़ रुपए का मुनाफे ले चुकी है और उसका हिसाब सरकार जनता को दे और ये भी बताए कि ये पैसा कहां पर विकास कार्यों में खर्च किया है। तंवर ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा है कि अंतरराष्ट्रीय मार्किट में कच्चे तेल के दामों में कमी के बावजूद भी देश मे पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं घट रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेल से हुए 11 लाख करोड़ रुपए के मुनाफे का हिसाब भी बीजेपी को देना होगा उन्होंने कहा कि सरकार एक्साइज और वैट घटा कर पेट्रोल और डीजल के दामों में कमी लाए। उन्होंने कहा कि जनता चार साल से परेशानी झेल रही है और कल बंद के दौरान कुछ परेशानी और

झेल ले। उन्होंने राहुल गांधी की मानसरोवर यात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बीजेपी और आरएसएस झूठ फैलना अपना कर्म मानते है। नागफ निगम चुनाव पर अशोक तंवर ने कहा कि निगम चुनाव कांग्रेस चुनाव चिन्ह पर ही लड़ा जाएगा ।

पानीपत में रणदीप सुरजेवाला ने भरी हुंकार, भाजपा सरकार को लिया निशाने पर

पानीपत।

आल इंडिया कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पानीपत में कांग्रेस की रैली में मोदी की केन्द्र सरकार और प्रदेश की खट्टर सरकार को निशाने पर लेते हुए हुंकार भरी। उन्होंने इस दौरान किसानों, व्यापारियों की समस्याओं के निवारण, युवाओं को रोजगार आदि मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। पेट्रोल-डीजल की आसमान छूती कीमतों व जीएसटी पर सुरजेवाला ने सरकार का घेराव किया। रैली में बोल रहे सुरजेवाला ने कहा कि हमने एक ऐसे आदमी को मुख्यमंत्री बना कर बिठा दिया जो किसानों के खेतों में जुताई के दौरान ब्रेक की जगह एक्सलेटर दबा रहा है, हरियाणा की प्रगति में गतिरोध लगाने की जिम्मेवारी सीएम मनोहर लाल की है। उन्होंने अगले चुनाव में कांग्रेस की जीत के लिए दावा करते हुए कहा कि यदि संजय चौक्कर पानीपत के युवाओं को रोजगार देने के लिए फैक्ट्री लगाने के लिए कहें तो कांग्रेस लगाएगी, क्योंकि इसके अलावा कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं। उन्होंने कहा कि जनता चाहती है कि हरियाणा और दिल्ली से भाजपा सरकार को हटाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि बदलाव की आवश्यकता इसलिए है कि मोदी मुनाफाखोर कंपनी चला रहे हैं। आज केवल डीजल और पेट्रोल की कीमतों से 11 लाख की लूट दिल्ली की मोदी सरकार कर रही है। बावन महीने में किसानों व आम जनता की जेब से यह लूट मोदी सरकार ने की है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब कांग्रेस ने दिल्ली की सरकार छोड़ी तो उस समय डीजल का रेट 55.49 रूपये था और आज 74.17 रूपये हो गया। यानि 52 महीनों में मोदी सरकार ने 18.70 पैसे मोदी सरकार ने डीजल पर बढ़ाए। वैसे ही पेट्रोल का दाम 71 रूपये था और अब 81.75 मोदी सरकार ने कर दिए। उन्होंने कहा कि इसी तरह हरियाणा में खट्टर सरकार ने डीजल पर सवा नौ प्रतिशत से सवा सत्रह प्रतिशत वैट और पेट्रोल पर 21 प्रतिशत से बढ़ाकर 26 प्रतिशत तक वैट बढ़ाकर 18 हजार करोड़ रूपये मोदी और खट्टर ने किसान, आम जनता और व्यापारियों की जेब से लूट की। उन्होंने कहा कि जब सरदार मनमोहन की असरदार सरकार थी तब गैस सिलिंडर 414 रूपये में मिलता था और आज 754 रूपये का हो गया है और यह रेट दिल्ली का है, लेकिन जब हरियाणा में आता है तो इसपर खट्टर टैक्स लगने के बाद यह साढ़े आठ रूपये तक हो जाता है।

घमासान के बीच राफेल विमानों की तैयारी में जुटी वायुसेना, पायलटों का प्रशिक्षण शुरू

नेशनल डेस्क।

राफेल सौदे को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच भारतीय वायुसेना गुपचुप तरीके से इन लड़ाकू विमानों के स्वागत की तैयारियों में जुटी है जिसमें जरूरी आधारभूत संरचना और पायलटों का प्रशिक्षण शामिल है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार भारतीय वायुसेना इस साल के अंत तक पायलटों के एक दल को राफेल विमानों पर प्रशिक्षण के लिए फ्रांस भेजेगी। वायुसेना के कई दल पहले ही राफेल विमानों के निर्माता दसाल्ट एविएशन को भारतीय विशिष्टताओं को इस विमान में शामिल करने में मदद के लिये फ्रांस का दौरा कर चुके हैं। फ्रांस के साथ 58,000 करोड़ रूपयों की लागत से 36 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिये सितंबर 2016 में भारत ने एक अंतर सरकारी समझौता किया था। कई हथियारों और प्रक्षेपास्त्रों को ले जाने में सक्षम इन लड़ाकू विमानों की आपूर्ति अगले साल सितंबर से शुरू होनी है। सूत्रों ने कहा कि दसाल्ट एविएशन भारत को आपूर्ति किये जाने वाले विमानों की परीक्षण उड़ान भी शुरू कर दी है और कंपनी को विमानों की आपूर्ति के लिये समयसीमा का सख्ती से अनुपालन करने को कहा गया है। राफेल विमान भारत केंद्रित बदलावों के साथ आएंगे जिनमें इस्राइली हेलमेट माउंटेड डिस्प्ले, रडार चेतावनी रिसीवर, लो-बैंड जैमर्स, 10 घंटे की फ्लाइट डेटा रिकॉर्डिंग, इंफ्रारेड सर्च और ट्रैकिंग सिस्टम समेत कई खूबियां शामिल होंगी। सूत्रों ने कहा कि भारतीय वायुसेना के पायलटों का एक दल पहले ही राफेल विमानों पर फ्रांस में प्रशिक्षण ले चुका है और इस साल के अंत तक एक बार फिर वहां जाएंगे। कांग्रेस ने विमान के दाम समेत इस करार को लेकर कुछ सवाल उठाए हैं जबकि सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है। सूत्रों ने कहा कि विमानों की पहली स्क्वाड्रन की तैनाती अंबाला वायुसैनिक अड्डे पर की जाएगी जिसे रणनीतिक रूप से वायुसेना का बेहद महत्वपूर्ण अड्डा माना जाता है। भारत-पाक सीमा वहां से 220 किलोमीटर दूर है। राफेल की दूसरी स्क्वाड्रन की तैनाती पश्चिम बंगाल के हासीमारा बेस पर की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि सरकार ने दोनों बेसों पर शेल्टर, हैंगर और रखरखाव की दूसरी सुविधाओं के निर्माण के लिये पहले ही 400 करोड़ रूपये की रकम मंजूर कर दी है। सूत्रों ने कहा कि फ्रांस भारत को नियमित रूप से विमानों की आपूर्ति की परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी उपलब्ध करा रहा है। पिछले साल जुलाई में वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल बी एस धनोआ ने अपने फ्रांस दौरे के दौरान राफेल विमान उड़ाया था।

संपादकीय

भीड़ हिंसा पर चेतावनी

भीड़ द्वारा किसी को पीट-पीटकर मार डालना सिर्फऔर सिर्फअपराध है। इस बात का कोई मतलब नहीं कि ऐसा क्यों और किन हालात में हुआ? यह भी कि यह सिर्फऔर सिर्फन्याय व्यवस्था का मामला है, जिसे सुनिश्चित करना राज्य का काम है। विडंबना है कि इन दोनों ही बातों पर सरकारों का ध्यान सुप्रीम कोर्ट बार-बार खींच रहा है, लेकिन राज्य सरकारें शायद कान में रूई डालकर बैठी हैं। कोर्ट के सख्त निर्देश के बावजूद तमाम राज्य सरकारों ने अभी तक उन गाइडलाइंस पर शायद नजर ही नहीं डाली है और यही कारण है कि 29 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों में से महज 11 ही शीर्ष अदालत को अपनी सरकारों की पहल की जानकारी अब तक दे पाए हैं। समाज में बढ़ती भीड़ हिंसा की घटनाओं पर शीर्ष अदालत ने अपने रुख का इजहार तभी कर दिया था, जब पहली बार यह मामला उसके सामने आया, लेकिन हीला-हवाली जारी रही, तो शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को एक बार फिर सरकारों को आगाह करना पड़ा। उन्हें एहसास दिलाना पड़ा कि अपनी प्राथमिकताओं के मामले में वे कहां खड़े हैं। कोर्ट को मजबूर होकर अंतिम चेतावनी देनी पड़ी है कि राज्य अब भी अगर ऐसे मामलों में अपनी पहल की जानकारी एक सप्ताह के अंदर नहीं दे पाए, तो उनके गृह सचिवों को व्यक्तिगत तौर पर पेश होना होगा। हालांकि केंद्र सरकार ने कोर्ट को जरूर आश्वस्त किया कि अदालत के निर्देश के आलोक में वह भीड़ हत्या पर अलग से कानून बनाने को सचेष्ट है और इसके लिए ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स का गठन किया जा चुका है। अद्यतन जानकारी से शीर्ष अदालत को अवगत कराने में कुछ अन्य राज्यों के साथ उत्तर प्रदेश भी रहा, जिसने अदालत को आश्वस्त किया कि राज्य के सभी जिलों के पुलिस कप्तानों को नोडल अफसर बनाकर ऐसे मामलों की सख्त निगरानी तो की ही जा रही है, हिंसा फैलाने वालों और अफवाहबाजों पर नजर रखने के लिए टास्क फोर्स भी बनाई गई हैं। सच तो यह है कि शुरुआती कुछ मामलों के बाद ही स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह खुद से जिम्मेदारी समझने और पहल करने का मामला था, जिसमें ज्यादातर राज्य फिसड्डी साबित हुए। कई बार तो पुलिस की मौजूदगी में ऐसी घटनाएं देखने में आईं, जहां वह असहाय दिखी दी या फिर मूकदर्शक। पहलू खां या रकबर खां की हत्याओं से उठे बवंडर से भी वह नहीं चेती, नतीजा घटनाएं भी नहीं थमीं। यूपी के इलाहाबाद में एक 70 वर्षीय रिटायर दारोगा की चंद लोगों द्वारा पीटकर हत्या भी इसी की ताजा कड़ी है, जो बताती है कि कारण और बहाने चाहे जो हों, मौका मिलते ही खुद को हिंसक भीड़ में तब्दील करने की प्रवृत्ति थमी नहीं है और इसे रोकने के लिए समूचे पुलिस तंत्र को सक्रिय होना होगा। यह सक्रियता सिर्फ दिखाने की नहीं, आश्वस्त करने की हद तक होनी चाहिए, जहां लोग मान सकें कि हां, वे वाकई सुरक्षित हैं, क्योंकि यह मानने में तो किसी को गुरेज नहीं होगा कि गो-रक्षा के नाम पर हो या किसी अन्य कारण से होने वाले ऐसे मामले, नागरिकों का जीवन बचाना राज्य का पहला दायित्व है और यह उसे निभाना ही होगा। पुलिस को घटना के बाद प्राथमिकी दर्ज करने मात्र की उस रवायत से बचना होगा, जिसके बाद अदालत में सुनना पड़ता है कि जब कोई इंसान अपनी जान से ही चला गया, तो फिर ऐसी प्राथमिकी का क्या अर्थ?

वैचारिक कंगाली का शिकार नक्सली

हरेंद्र प्रताप

माओवाद से प्रेरित चारू मजूमदार ने 22 अप्रैल 1969 को जिस नक्सली संगठन की घोषणा की थी उसका नाम भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी(क र्सवादी-लेनिनवादी) रखा था। ऐसा इसलिए किया गया था, क्योंकि 1962 के चीनी विश्वसघात का जख्म गहरा था। दशकों बाद 2004 में दो नक्सली संगठनों-पीपुल्स वार ग्रुप और एमसीसी के विलय के बाद जो संगठन बना उसके नाम से क र्स और लेनिन हट गया, ओ का जुड़ा गया। सोवियत क्रांति से प्रभावित होकर जिन देशों के लोगों ने अपने देश में कम्युनिस्ट पाटी का संगठन खड़ा किया उनमें भारत भी एक था। सोवियत संघ भारत में कम्युनिस्ट पार्टी के विस्तार में हर तरह की मदद कर रहा था। चीन में ओ की सफल क्रांति के पहले वैश्विक साम्यवाद पर सोवियत संघ का एकाधिकार था परंतु उसे ओ से चुनौती मिलनी शुरू हो गई थी। इसके चलते भारतीय कम्युनिस्ट क्रांति के लिए चीन का रास्ता सही बताने लगे थे, लेकिन जब भारतीय कम्युनिस्टों का एक दल सोवियत संघ पहुंचा तो स्टालिन चीन का नाम सुनकर नाराज हो गया। इसके कारण भारतीय कम्युनिस्टों ने कहा, 'भारतीय परिस्थितियों में वे लेनिनवाद के रास्ते पर ही चलेंगे।' सोवियत संघ और चीन के बीच फंसी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी यानी भाकपा का अंतर्विरोध 1962 के चीनी आक्रमण के कारण कुछ समय के दब गया, लेकिन 1964 में उसमें विभाजन हो गया। भाकपा से अलग होकर चीन समर्थक कपा का जन्म हुआ। चारू मजूमदार इसी कपा का एक सक्रिय कार्यकर्ता था। 1962 के चीनी आक्रमण के समय अन्य कम्युनिस्टों की तरह उसने भी भारत को ही दोषी ठहराया था। कम्युनिस्टों का एक प्रभावी नारा था, जो जमीन को जोते-बोवे वही जमीन का लिक होवे। तब जमीन लिक खेतिहर मजदूरों को उपज का एक चौथाई देते थे। चारू ने तेभागा आंदोलन चलाया यानी तीन भाग में एक भाग मजदूरों को मिले। इसके कारण वह उत्तर बंगाल में खेतिहर मजदूरों का मसीहा बन गया। इसी दौरान उसने पार्टी नेताओं को एक पत्र लिखकर कहा कि भारत में सशस्त्र क्रांति सोवियत संघ की तरह न होकर चीनी क्रांति की तरह हो और यह चे ग्वेरा की छापार युद्ध की तरह नहीं, बल्कि ओ के जन युद्ध की तरह हो। उसने लिखा कि वह उनसे ही सहयोग लेगा-देगा जो ओ को क र्सवाद और लेनिनवाद का सच्चा उत्तराधिकारी नता हो। 1967 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस हार गई। 2 र्च 1967 को अजय मुखर्जी के नेतृत्व में संयुक्त फ्रंट की सरकार बनी जिसमें कपा भी शामिल थी। इसके अगले दिन नक्सलबाड़ी नामक इलाके में परंपरागत हथियारों से लैस खेतिहर मजदूरों ने एक जमीन पर लाल झंडा गाड़कर कब्जा कर लिया। धीरे-धीरे जमीन पर लाल झंडा गाड़कर कब्जा करने का क्रम तेजी से बढ़ने लगा। 23 मई 1967 को गश्त पर निकले पुलिस वालों पर ग्रामीणों ने कुल्हाड़ी-भाले आदि से हमला कर दिया। दो दिन बाद इस हमले में घायल इंस्पेक्टर की मौत हो गई। इसी दिन पुलिस पर फिर हमला हुआ। इस बार पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें महिलाओं-बच्चों समेत दस लोग रे गए। सरकार में शामिल कपा संकट में पड़ गई। उसके दबाव में नक्सलबाड़ी में पुलिस के जाने पर रोक लगा दी गई। इसी के साथ ओवाद नक्सलवाद के तौर पर जाना जाने लगा। जल्द ही चारू मजूमदार ने कपा से दूरी बनाकर नक्सलबाड़ी को मुक्त क्षेत्र घोषित कर दिया। 28 जून 1967 को चीन के पीकिंग रेडियो ने इस मुक्त क्षेत्र का स्वागत किया।1साजिक एवं आर्थिक शोषण और सामंती नसिकता के खिलाफ हथियारों के बल पर शुरू हुए इस हिंसक आंदोलन को कुछ पढ़े-लिखे लोगों का समर्थन भी मिलने लगा। आजकल जिन शहरी नक्सलियों की खूब चर्चा हो रही है वे पहले भी थे। चारू मजूमदार की ओर से शुरू किया गया नक्सली आंदोलन शुरू से ही वैचारिक भटकाव का शिकार होता रहा। चीन-पाकिस्तान की दोस्ती उस समय भी चर्चा में थी। चारू मजूमदार ने बांग्लादेश मुक्ति का विरोध किया, लेकिन उसके साथी बांग्लादेश के उदय के पक्ष में थे। 1972 में चारू मजूमदार का निधन हो गया। उसने जो संगठन खड़ा किया वह क र्स-लेनिन और ओत्सेतुंग के बीच पेंडुलम की तरह झूलता रहा। जिस पश्चिम बंगाल से यह आंदोलन शुरू हुआ वहां वह अपनी जड़ें जने में असफल रहा। इस आंदोलन के जो तम नेता कभी चुनाव बहिष्कार की बात करते थे वे धीरे-धीरे भूमिगत जीवन त्यागकर लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल हो गए, लेकिन आंध्र, बिहार, महाराष्ट्र और ओडिशा में विभिन्न गुटों में सक्रिय नक्सली संगठनों को अवैध वसूली का ऐसा चस्का लगा कि वे हिंसा छोड़ने को तैयार नहीं हुए। 1990 के दशक में साम्यवादी सोवियत संघ के विघटन और चीन द्वारा पूंजीवादी अर्थव्यवस्था अपनाने के कारण नक्सलियों, नेताओं और उनके समर्थकों का मनोबल टूटने लगा। वे वैचारिक तौर पर कंगाल हो गए। बाद में उन्होंने एक रणनीति के तहत सार्वजनिक तौर पर ओ का नाम लेना छोड़ दिया, क्योंकि लोग उन्हें चीन का दलाल समझते थे।12009 में जब श्रीलंका में तमिल अलगाववादी संगठन लिट्टे की पराजय हुई तो भयभीत नक्सलियों ने एक नीति पत्र के जरिये भारत में सत्ता छीनने की घोषणा कर डाली थी, क्योंकि उन्हें डर था कि उनका कैडर अब कष्टकारी भूमिगत जीवन छोड़ना शुरू कर देगा। नक्सली संगठन चाहे जैसा दावा क्यों न करें, वे भारत की एकता और अखंडता के बैरी ही अधिक हैं। वे अलगाववादियों और आतंकवादियों के साथ हैं, इसकी पुष्टि जनवरी 2013 के उनके उस बयान से होती है जिसमें उन्होंने संसद पर हमले के आरोपी अफजल गुरु की फांसी की निंदा की थी। ओवादी अथवा नक्सली गरीबों-आदिवासियों के हक की लड़ाई के नाम पर न केवल विकास कार्य को बाधित कर रहे हैं, बल्कि हथियारों के बल पर पैसे की उगाही करके करोड़पति भी होते जा रहे हैं। वे परंपरागत हथियारों केबदले आधुनिक हथियारों का जखीरा भी खड़ा कर रहे हैं। हालांकि विश्व में कहीं भी कोई साम्यवादी मॉडल ऐसा नहीं बचा जिसे वे भारत की जमीन पर उतार सकें, फिर भी वे किसी सनक में हिंसा का रास्ता छोड़ने को तैयार नहीं। उनका सिकुड़ता दायरा उनके अंत की गवाही दे रहा है। उनके बौद्धिक पहरूये भी निष्प्रभावी होकर कालबाह्य हो रहे हैं। हालांकि भारत की विशाल सेना के रहते नक्सलियों की ओर से सत्ता छीनने की कल्पना भी हास्यास्पद लगती है परंतु लेवी खोर जत डींग हांकने में कंजूसी नहीं बरतना चाहती। आज दुनिया साम्यवादी मॉडल को नकार चुकी है तब इस पर हैरानी ही होती है कि भारत में अब भी कुछ लोग उसके शव के पास खड़े होकर हसीन सपने देखने में लगे हुए हैं। यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा कि पुणो पुलिस की ओर से गिरफ्तार कथित साजिक कार्यकर्ताओं का नक्सलियों से संपर्क था या नहीं, लेकिन उनकी गिरफ्तारी के बाद कुछ लोग जैसी हाय-तौबा मचा रहे हैं उससे इस पर संदेह होता है कि उनका गैर कानूनी कार्यो से कोई लेना-देना नहीं। पुणो पुलिस द्वारा गिरफ्तार लोगों के समर्थक इस तरह बातें कर रहे हैं जैसे वे ही पुलिस और जज हों। (लेखक बिहार विधानपरिषद के पूर्व सदस्य हैं)

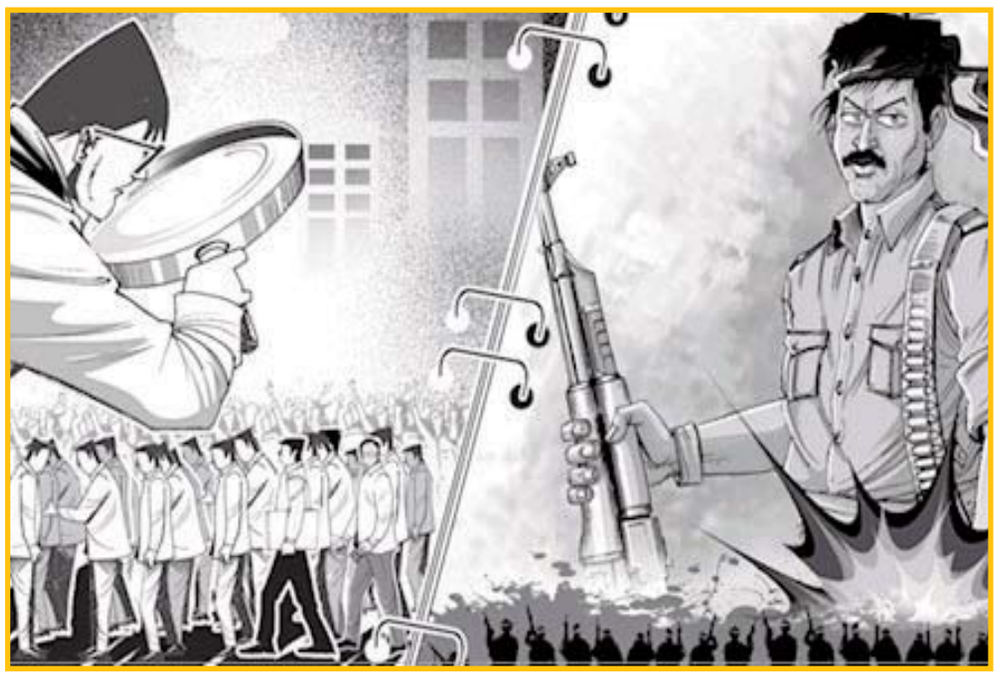

आज के ट्वीट

मामले

2016 में अनुसूचित जाति के कुल 40774 मामले दर्ज हुए, जिसमें 5344 मामले झूठे साबित हुए। वहीं अनुसूचित जनजाति के कुल 6564 मामले दर्ज हुए, जिसमें 912 मामले झूठे साबित हुए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक सप्ताह के अंदर जांच के बाद गिरफ्तारी के आदेश पर क्या आपत्ति है? क्या हमारी कानून व्यवस्था पर किसी तरह का संदेह है?

देवकीनंदन ठाकुर

ज्ञान गंगा

मन

ओशो

मन अमूर्त है। वह स्पर्श नहीं कर सकता, वह देख नहीं सकता या सुन नहीं सकता। वह सिर्फ सोच सकता है। सोचना अमूर्त है। विचार रिक्तता में चलते हैं। विचारों में ठोस कुछ भी नहीं होता। उन्हें स्पर्श नहीं किया जा सकता। सुना नहीं जा सकता, अनुभव किया जा सकता है। इसलिए मनुष्य के भीतर मन बड़ी ही अमूर्त चीज है। और जब वह अमूर्त क्षमता सत्य तक पहुंचने का प्रत्यन करती है, तो वह सिर्फ सत्य के बारे में विचार कर सकती है। यह उसे देख नहीं सकती। यह उसे अनुभव नहीं कर सकती। यह सिर्फ उसके बारे में चिंतन-मनन कर सकती है।इसका ढंग परोक्ष ही हो सकता है। इंद्रियां प्रत्यक्ष हैं, मन परोक्ष है। इंद्र मन का प्रतिनिधित्व करता है, अग्नि आंखों का प्रतिनिधित्व करता है, वायु कानों का प्रतिनिधित्य करता है। इसे स्मरण रखना। कान वह हिस्सा है, जो वायु के समष्टिगत अस्तित्व से संबंधित है। आंखें मनुष्य का वह हिस्सा है, जो कि सूर्य के, अग्नि के समष्टिगत अस्तित्व से संबंधित है।वायु के पास पहुंचा, अग्नि ब्रह्म के पास पहुंचा - वे देख सके, वे सुन सके। वे उस परम सत्ता से अधिक यथार्थ रूप से संबंधित हो सके, लेकिन वे पहचान नहीं सके। ब्रह्म उपस्थित था, लेकिन इंद्रियां उसे पहचान सकीं कि वह कौन था? पहचान के लिए प्रत्यभिज्ञा के लिए मन की आवश्यकता होती, उसे ही पहचान सकता है। लेकिन तब एक समस्या खड़ी होती है - मन सीधा नहीं जान सकता। मन परोक्ष रूप से जानता है। मन सत्य को सीधा नहीं देख सकता, क्योंकि मन एक अमूर्त इंद्रिय है। यह सिर्फ सोच-विचार कर सकता है। सोच-विचार के द्वारा यह पहचान सकता है, लेकिन तब सत्य अदृश्य हो जाता है। भीतर सिर्फ विचार होता है। इंद्र पहचान सका, लेकिन सीधा-सीधा नहीं, क्योंकि जब इंद्र पहुंचा तो ब्रह्मा अदृश्य हो गया। इसलिए पहली बात जो कि हमें ठीक से समझ लेनी है वह यह कि मन एक परोक्ष ढंग है। मन मेरे भीतर बंद है, और मेरे मन से सीधा सेतु नहीं है तुम तक पहुंचने का। यदि मन तुम तक पहुंचना चाहे तो किसी माध्यम की आवश्यकता पड़ेगी। यदि मन तुम्हें देखना चाहता हो तो वह आंखों के द्वारा देखेगा, यदि वह तुम्हें स्पर्श करना चाहता है तो वह हाथ के माध्यम से स्पर्श करेगा। एक माध्यम, एक बीच की एजेंसी, एक बिचौलिया चाहिए। मन को कोई माध्यम चाहिए।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

तबियत नासाज, आपदाओं का आगाज

हिमालय दिवस /जयसिंह रावत

नगाधिराज हिमालय आकार में जितना विराट है, अपनी विशेषताओं के कारण उतना ही अद्भुत भी है। कल्पना कीजिये अगर हिमालय न होता तो दुनिया और खासकर एशिया का राजनीतिक भूगोल क्या होता? एशिया का ऋतु चक्र क्या होता? किस तरह की जनसांख्यिकी होती और किस तरह के शासनतंत्रों में बंधे कितने देश होते? विश्व विजय के जुनून में दुनिया के आक्रान्ता भारत को किस कदर रौंदते? न गंगा होती, न सिन्धु होती और न ही ब्रह्मपुत्र जैसी महानदियां होतीं। अगर ये नदियां ही न होतीं तो गंगा-जमुनी महान संस्कृतियां कहां से पैदा होतीं? दरअसल हिमालय हमारे भारत का भाल ही नहीं, अपितु हमारी ढाल भी है और यह न केवल एशिया के मौसम का नियंत्रक है, बल्कि एक जल स्तम्भ भी है। यही वास्तविक भारत भाग्य विधाता है। अफगानिस्तान से लेकर भूटान तक फैला हिमालय न केवल पर्यावरणविदों अपितु आपदा प्रबंधकों की भी चिन्ता का विषय बना हुआ है। हिमालय का पारितंत्र (इको सिस्टम) डगमगाने से हिमालय की गोद में बसे राज्यों में से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, सिक्किम, त्रिपुरा और नागालैंड के अलावा असम के हिमालयी क्षेत्र कार्बी एन्लौंग और दिमा हसाओ तथा पश्चिम बंगाल के हिमालयी जिले दार्जिलिंग सहित कुल 4,67,90,642 की आबादी (2011 की जनगणना) सीधे प्रभावित होती है। अगर इन पर्वतवासियों के कारण हिमालय का पारितंत्र प्रभावित हो रहा है तो हिमालय भी सीधे-सीधे इनके जनजीवन को प्रभावित कर रहा है। इसलिये हिमालय की वेदना को इनकी वेदना से अलग नहीं किया जा सकता। अफगानिस्तान से लेकर भूटान और मिजोरम तक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इस समूचे क्षेत्र को भूकंपीय दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील माना जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के साथ ही लोकल वार्मिंग से ग्लेशियरों के निरंतर पीछे हटने की बात वैज्ञानिक कर रहे हैं। इसके साथ ही आबादी वाले क्षेत्रों तक हिमखंड स्खलन (एवलांच) की घटनाएं बढ़ रही हैं। ग्लेशियर पीछे खिसकेंगे तो वनस्पतियां भी ऊंचाई वाले शुष्क मरुस्थलों की ओर बढ़ेंगी जो कि वनस्पति विहीन होते हैं। वनस्पतियां ऊपर चढ़ेंगी तो मानसून भी केदारनाथ की आपदा की ही तरह स्थाई हिमाच्छादित क्षेत्र (क्रायोस्फीयर) की ओर बढ़ेगा। मौसम चक्र में परिवर्तन से समय से पहले ही मानसून आने से हिमाच्छादित क्षेत्रों की बर्फ के तेजी से गलने से केदारनाथ की जैसी अकल्पनीय बाढ़ आ जायेगी। शीत ऋतु में हिमरेखा तीन हजार मीटर से भी नीचे तक उतर आती है और वर्षा ऋतु आने से पहले अपने पूर्व निर्धारित 5 हजार मीटर की ऊंचाई तक लौट जाती है। अगर वापसी के समय निचले स्थानों पर ही उस पर समय से पहले आने वाला मानसून टूट पड़े तो केदारनाथ जैसी त्रासदियों की संभावना रहती है। जून 2013 की केदारनाथ की जल प्रलय को हिमालय के पर्यावरणीय असंतुलन का सबसे बड़ा उदाहरण माना जा सकता है। इस आपदा के लिये समय से पहले मानसून के आने और केदारनाथ से भी कहीं ऊपर चोराबाड़ी ग्लेशियर पर बादल फटने को जिम्मेदार माना जाता है जबकि इतनी ऊंचाई वाले स्थाई रूप से हिमाच्छादित क्षेत्र या क्रायोस्फीयर में वर्षा होने का पिछला कोई रिकार्ड नहीं है। अगर हिमालय का पारितंत्र गड़बड़ा गया तो प्रकृति की यह जलापूर्ति व्यवस्था भी गड़बड़ा जायेगी। भारत में ही हिमालय से उद गमित ब्रह्मपुत्र, गंगा और सिंधु के बेसिनों में देश का 43 प्रतिशत क्षेत्र आता है और देश की सभी नदियों के प्रवाहमान और भूमिगत जल राशि का 63 प्रतिशत इन तीनों नदियों में है। इन नदियों को सदानीरा बनाये रखने में हिमालय के पूर्व से लेकर पश्चिम तक में फैले लगभग 9575 छोटे-बड़े ग्लेशियरों, हिम तालाबों, बुग्यालों और जंगलों का महत्वपूर्ण योगदान है।

हिमालयी क्षेत्र के निवासियों की अपनी कुछ विशिष्ट कठिनाइयां भी हैं। यहां औद्योगिक विकास के अवसरों में कमी के कारण रोजगार के अच्छे अवसरों का भी नितांत अभाव है। भारत सरकार की 'उत्तर-पूर्व की ओर देखो' या 'लुक नॉर्थ-ईस्ट' नीति के तहत हिमालय के उस हिस्से पर सरकार विशेष ध्यान देने लगी है। उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिये केन्द्र सरकार में अलग मंत्रालय बन इसी प्रकार उस हिमालयी क्षेत्र के लिये उत्तर-पूर्व परिषद (एनईसी) जैसी संस्था भारत सरकार और उत्तर-पूर्वी राज्यों के बीच सीधी कड़ी का काम कर रही है।

अब केवल उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश ही ऐसे हिमालयी प्रदेश रह गये हैं, जिनको विकास की दृष्टि से हिमालयी बिरादरी से अलग-थलग रखा गया है। जबकि इनका पर्यावरणीय और सामरिक महत्व किसी से कम नहीं है।

संक्षिप्त

लोक अदालत संपन्न

कौशांबी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जिला न्यायालय में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया। अध्यक्षता कर रहे जिला जज प्रमोद कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर लोक अदालत का शुभारंभ किया। जिला जज ने मोटर दुर्घटना से संबंधित दो वादों का निस्तारण कर प्रतिकर के रूप में तीन लाख पांच हजार रुपये दिलाए। इसी तरह जनपद न्यायाधीश प्रथम सीताराम वर्मा ने सिविल प्रकीर्ण से संबंधित एक वाद का निस्तारण किया। अपर जनपद न्यायाधीश द्वितीय अनुपम कुमार द्वारा मोटर दुर्घटना से संबंधित तीन वाद निस्तारित कर 10 लाख रुपये प्रतिकर के रूप में दिलाया।

बेटियां पहचानें अपनी ताकत

गोंडा, पटेलनगर स्थित श्रीराम पब्लिक स्कूल में नारी सशक्तिकरण को लेकर समारोह का आयोजन किया गया। प्रबंधक रवि रस्तोगी ने कहा कि वर्तमान में महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां महिलाओं ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन न किया हो। इसी उद्देश्य से स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्राओं को अपनी शक्ति पहचानने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि श्रवण अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किया। इस मौके पर छात्राओं ने मनमोहक अभिनय कर वाहवाही लूटी।

श्रमिकों को चिह्नित करेगी टीम

श्रावस्ती, गांवों में छोटे स्तर पर कारीगरी व मजदूरी कर जीवन यापन कर रहे श्रमिकों को प्रशासन की ओर से चिह्नित किया जाएगा। दो दिन का प्रशिक्षण देकर इनके कार्य में दक्ष बनाया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी अवनीश राय ने बैठक कर कार्यक्रम की रणनीति तय की। श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों को शासन की ओर से अनेक कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ दिया जाता है। इसके लिए श्रमिक को 90 दिन कार्य का प्रमाण पत्र देना होता है। वृद्धावस्था में कार्य करने की क्षमता समाप्त होने पर भी ऐसे श्रमिकों को योजनाओं का लाभ मिलता रहे। इसके लिए उन्हें प्रमाण योजना के तहत प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि गांव में बढ़ई, लोहार, पैडी लेबर, राज मिस्त्री व छप्पर छाजन का कार्य कर रहे श्रमिकों को ढूंढा जाएगा। इसके लिए ब्लॉकवार ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी व ग्राम रोजगार सेवकों के साथ बैठक की जाएगी।

मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण

गाजीपुर, भड़सर बाजार स्थित जय मां दुर्गे मेडिकल स्टोर पर गुडविल मल्टी स्पेशिलिटी हास्पिटल आमघाट की तरफ से शनिवार को मुफ्त मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान 167 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित की गईं। निदेशक रीता पांडेय ने बताया कि शिविर में शुगर, मानसिक रोग, फेफड़ा, दांत की जांच, चर्मरोग व श्वास रोग की जांच की गई। साथ ही उचित परामर्श भी दिए गए। डा. रीता पांडेय ने बताया कि आगे भी मुफ्त शिविर लगाए जाएंगे। इस मौके पर डा. एकांत पांडेय व डा. भुवनेश्वर पांडेय आदि मौजूद थे।

बाबा कीनाराम जन्मोत्सव का आगाज

चहनियां (चंदौली), संत शिरोमणी बाबा कीनाराम की तपोस्थली व कर्मभूमि रामगढ़ में शनिवार को कांवरियों ने सूर्योदय की पहली किरण के बीच बाबा का जलाभिषेक कर जन्मोत्सव का आगाज किया। तीन दिवसीय जन्मोत्सव के पहले दिन भगवान भास्कर के उदय होते ही ढोल, नगाड़े, डमरुओं, घंटा घड़ियाल की आवाज से मठ परिसर गूंज उठा। हजारों श्रद्धालुओं ने जहां बाबा की जय के गगनभेदी जयकारे लगाए वहीं महिलाओं ने सोहर गीत व आरती के साथ बाबा की नैनाभिराम झांकी प्रस्तुत की। श्रद्धालुओं ने दरबार में मत्था टेक पूजन-अर्चन कर मंगलमय जीवन की कामना की। मंगला पाठक, हरिशंकर तिवारी, रजत व चन्द्रशेखर ने रामायण पाठ की प्रस्तुति की। दोपहर में स्थानीय व वाराणसी से आए कलाकारों ने भजन व गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। छात्रों ने मनोहर झांकी संग भजन, कजरी, सोहर गीतों से उपस्थित अपार जनसमूह को भक्तिमय बना दिया।

११ लोगों पर मुकदमा

संतकबीर नगर, विद्युत विभाग के प्रवर्तन दल गोरखपुर जोन के प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह द्वारा शनिवार को चलाए गए अभियान में 11 लोग बिजली चोरी करते पकड़े गए। इसमें यार मोहम्मद पुत्र अज्ञात, यासीन पुत्र अज्ञात, बेलाल पुत्र अज्ञात, विरेंद्र नाथ चौबे पुत्र नवरंग प्रसाद, पप्पू चौबे पुत्र अज्ञात, जुबेर पुत्र निशार, अफरोज पुत्र अज्ञात, बनाउल्लह पुत्र अज्ञात, नूरमोहम्मद पुत्र जोहर अली, आनंद पुत्र रामसुभग, बशीर पुत्र अज्ञात निवासीगण बेलहवा चुरेब के खिलाफ कोतवाली खलीलाबाद के में विद्युत चोरी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया।

१३ को आएंगे मुख्यमंत्री

सिद्धार्थनगर, शनिवार बीएसए दफ्तर में बैठे जिलाधिकारी कुणाल सिल्कू उस वक्त हड़बड़ा गए जब उनका फोन घनघनाया। उधर से बताया गया कि सीएम साहब का कार्यक्रम होना है। इस अधूरी सूचना को पुष्ट करने के लिए डीएम ने कई आला अफसरों को फोन किया पर फाइनल जवाब मिला सीएम के साथ जुड़े अफसर अजय सिंह से। पता चला कि 13 को उनका उड़न खटोला यहां उतरेगा। पुष्टि होते ही वहीं पर डीपीआरओ तलब हो गए। जबकि शाम को नीति आयोग के इंडीकेटर्स से जुड़े अफसरों संग बैठक हुई। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का प्रारूप है एक गांव व एक स्कूल देखने का। बाद में अफसरों से बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा करना। इस सूचना पर डीएम ने जनपद मुख्यालय के करीब के दो गांव और उसी के आसपास के स्कूल चयन के लिए कवायद शुरू कर दी।

साइकिल यात्रा का सपाइयों ने किया स्वागत

अमेठी, वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों को जन-जन में फैलाने व पूर्व की सपा सरकार की योजनाओं का गुणगान करने के लिए साइकिल यात्रा निकाली गई है। शनिवार को सपा जिलाध्यक्ष छोटेलाल यादव व पूर्व प्रत्याशी विधानसभा तिलोई एवं जिला कोषाध्यक्ष जैनुल हसन की अगुवाई में जिले की सीमा पर साइकिल यात्रा का स्वागत किया गया।

परिवहन निगम की अनुबंधित बस व डीसीएम में टक्कर, ११ यात्री घायल

गोरखपुर, जनपद महराजगंज के ठूठीबारी थाना क्षेत्र के ठूठीबारी-निचलौल मार्ग पर लोहरौली के पास रविवार की सुबह करीब दस बजे अनुबंधित बस व डीसीएम की टक्कर में बस में सवार 11 यात्री घायल हो गए। घायलों को पुलिस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने तीन की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

बस ठूठीबारी से निचलौल जा रही थी, जबकि डीसीएम निचलौल से ठूठीबारी की तरफ जा रही थी,। इसी बीच दोनों की लोहरौली के पास आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी, कि बस के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना की खबर मिलते ही क्षेत्राधिकारी रणविजय सिंह निचलौल और ठूठीबारी थाने के फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। बस में फंसे घायल यात्रियों को बाहर निकलवाया और उन्हें अस्पताल भेजा। सीओ ने बताया कि बस में सवार तीन यात्रियों की हालत गंभीर है। घायल धीरज गौड़ निवासी चिउटहा, ओम प्रकाश निवासी बैरिया व सुनीता निवासी नौतनवा को जिला अस्पताल में भेजा गया है। पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। घायलों की सूचीः 22 वर्षीय धीरज गौड़ पुत्र खदेरू गौड़ निवासी चिउटहा थाना कोठीभार, 35वर्षीय दयानंद मिश्र पुत्र रामाश्रय मिश्र निवासी बगही थाना कोठीभार, 24 वर्षीय ओमप्रकाश पुत्र रामकेश्वर निवासी बैरिया थाना ठूठीबारी, 30 वर्षीय सुखिया पत्नी असरफी व उसकी पांच वर्षीय पुत्री जैस्मीन निवासी पीपरा मुड़ेरी थाना ठूठीबारी, 42 वर्षीय महिबुन निशा पत्नी सलीम निवासी बैरिया छोटकी टोला थाना ठूठीबारी, 50 वर्षीय विस्मावती निवासी मोहनापुर थाना बरगदवा, 22वर्षीय सुनीता पत्नी रुदल व 30 वर्षीय रुदल पुत्र रामधनी निवासी नौतनवा तथा 42 वर्षीय सदानंद पटेल पुत्र जगदीश पटेल निवासी परागपुर थाना निचलौल है।

शिक्षक भर्ती घोटालाः पूरी बेदर्दी से तोड़े गए परीक्षा के नियम

इलाहाबाद, प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार की पहली सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा सहायक अध्यापकों की थी। परिषदीय प्राथमिक स्कूलों में 68500 शिक्षकों की भर्ती, प्रक्रिया के लिहाज से अनूठी शिक्षक भर्ती। इसमें जितने उम्दा नियम तय हुए, उतनी ही बेदर्दी से उन्हें तोड़ा गया। यह साबित करने के लिए उस अनुसूचित जाति की सोनिका का नाम लें, जिसकी कॉपी ही बदल गई या अंबेडकर नगर के अंकित वर्मा की दास्तां लिखें जिसे रिजल्ट में 22 अंक मिले और उत्तर पुस्तिका में 122 अंक दर्ज थे। या फिर उन मोहम्मद साहून व मीना देवी का जिक्र करें जो परीक्षा में बैठे बिना ही उत्तीर्ण हो गए। सहायक अध्यापक भर्ती की खामियों की लिस्ट बहुत लंबी है। वहीं, शिक्षक बनने को आतुर अभ्यर्थियों की लंबी फेहरिस्त भी है, जिन्होंने रात-दिन मेहनत करके पढ़ाई की व पूरे मनोयोग से इम्तिहान दिया लेकिन, रिजल्ट ने उनके सारे सपने बिखेर दिए। परीक्षा संस्था कार्यालय पर जुटने वाली भीड़ के चेहरे पर आक्रोश और दिल का दर्द साफ पढ़े जा सकते थे। छटपटाहट की वजह यही थी कि उन्हें बताया गया कि अब स्क्रूटनी और कॉपियों की दोबारा जांच नहीं हो सकती। एक दिन बाद साफ हुआ कि परीक्षा शुल्क से कई गुना अधिक का डिमांड ड्राफ्ट देकर कॉपियां देख सकते हैं। युवाओं ने किसी तरह दो हजार रुपये जुटाकर बड़ी संख्या में दावेदारी की, जो पैसे का इंतजाम न कर पाए वह प्रत्यावेदन देकर ही जांच की मांग उठाते रहे। इतने पर भी उन्हें कॉपी नहीं दिखाई गई तो कोर्ट का सहारा लिया गया। अब तक जितने मामले सामने आए हैं वह सब कोर्ट के आदेश पर कॉपियां पाने वाले हैं, सामान्य अभ्यर्थी अब भी कॉपी मिलने की राह देख रहे हैं। माना जा रहा है कि बाकी कॉपियों में दफन बड़े राज आगे खुलेंगे। परीक्षा परिणाम की खामियों के बीच भर्ती के लिए चयन में मनमानी शैली अपनाई गई। 68500 शिक्षक भर्ती के शासनादेश को दरकिनार करके परीक्षा में सफल 41556 अभ्यर्थियों को ही चयन का आधार बनाया गया।

इससे दूसरा झटका परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 6127 अभ्यर्थियों को लगा। बवाल मचने पर मुख्यमंत्री ने खुद प्रकरण का संज्ञान लिया, तब चयन मानक दुरुस्त हुआ। दो चयन सूची बनने से जिला आवंटन गड़बड़ा गया। अधिक मेरिट वाले दूर के जिले में व कम अंक पाने वालों को अपना गृह जिला मिल गया। इससे पहले सीएम के हस्तक्षेप पर भर्ती की लिखित परीक्षा हुई, इम्तिहान में सबको साथ लेने के लिए उत्तीर्ण प्रतिशत कम किया गया। हालांकि कोर्ट ने उसे नहीं माना। ऐसे ही परीक्षा में उत्तरकुंजी जारी करने, हर अभ्यर्थी को कार्बन कॉपी मुहैया कराने जैसे इंतजाम रिजल्ट और चयन सूची की भेंट चढ़ गए। अब नियमों से खेलने वाले अफसरों को चुनकर कार्रवाई हुई है। जिस तरह से उच्च स्तरीय कमेटी बनी है उसकी जांच रिपोर्ट में अभी कई और के फंसने का अंदेशा है।

सहकारी समिति तिलौली सील

घोरावल (सोनभद्र), अधिक मूल्य पर खाद की बिक्री व कालाबाजारी की शिकायत पर शनिवार को साधन सहकारी समिति तिलौली पहुंचे उपजिलाधिकारी घोरावल ने गोदाम को सील कर लिया। एसडीएम घोरावल मनिकचंदन ए ने किसानों को यूरिया ठीक ढंग से न मिलने तथा मूल्य से अधिक दर पर बेचने की शिकायत पर तिलौली कला स्थित साघन सहकारी समिति पहुंचे। वहां किसानों ने शिकायत करते हुए बताया कि समिति का शटर निर्धारित समय से करीब दो ढाई घंटे पहले ही खोल दिया गया। यूरिया खाद को अधिक मूल्य पर बेच दिया गया। शिकायत पर वहां पर तैनात सचिव को कड़ी फटकार लगाई। पास के एक व्यक्ति के घर से पांच बोरी यूरिया भी बरामद की गई।

२ विवाहिताओं ने लगाई फांसी

सुलतानपुर, अखंडनगर व जयसिंहपुर थाना क्षेत्रों में दो विवाहिताओं ने फांसी लगा ली। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाकर पुलिस तहकीकात कर रही है। अखंडनगर के स्थानीय थाना क्षेत्र के ब्राहिमपुर निवासी शकुंतला देवी (30) पत्नी श्रवण कुमार विश्वकर्मा की देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर के भीतर फंदे से लटका मिला। ससुर रामकेवल ने इसकी सूचना मृतका के मायके वालों व पुलिस को दी। एसओ अखंडनगर अजय यादव ने बताया कि शकुंतला का पति बेंगलूर में नौकरी करता है। घटना के वक्त वह घर पर नहीं था। पुलिस मौके पर पहुंची तो शव चारपाई पर रखा मिला। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो जाएगा। जयसिंहपुर के मैरी संग्रामपुर गांव निवासी इंद्रमणि तिवारी की पत्नी जड़ौता ने रात छत के हुक में चुनरी से फांसी लगा ली। जब तक परिवारीजन की नींद खुली, उसकी मौत हो चुकी थी। कोतवाल देवेश सिंह का कहना है कि मामला आत्महत्या का है। तहकीकात की जा रही है।

प्राचार्य की पिटाई से नाराज छात्रों ने दिया धरना

जौनपुर, टीडी कालेज के प्राचार्य डा. विनोद कुमार सिंह की पिटाई से आक्रोशित छात्रों ने शनिवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर धरना दिया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने हंगामा किया। एक दिन पहले बीएससी एजी के छात्र संग मामला हुआ था। इसको लेकर छात्रों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर प्राचार्य पर कार्रवाई की मांग किया। करीब दो घंटे तक चले प्रदर्शन में अनुशास्ता मंडल ने छात्रों को समझा-बुझाकर वापस लौटाया। करीब दो बजे छात्रों का गुट लाइन बाजार थाना पहुंचा। वहां छात्रों ने एक दिन पूर्व बीएससी एजी छात्र मणिप्रकाश शुक्ल की प्राचार्य द्वारा पिटाई के मामले में कार्रवाई को लेकर ज्ञापन देना चाहा। इस पर थानाध्यक्ष ने कहा कि वह प्रशासनिक अधिकारी नहीं हैं ऐसे में वह ज्ञापन नहीं ले सकते। इसके बाद छात्र कलेक्ट्रेट पहुंचकर धरना देने लगे, इस दौरान अन्य छात्र-छात्राओं को भनक हुई तो इनकी संख्या भी सैकड़ों में हो गई। छात्रों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जमकर हंगामा व नारेबाजी की। प्रशासनिक अधिकारी को सौंपे पत्र में कहा कि शशि प्रकाश बीएससी एजी द्वितीय वर्ष का छात्र है। सात सितंबर को सुबह शून्य घंटा के निरस्त हो जाने के कारण वह अध्ययन के लिए लाइब्रेरी हॉल जा रहा था। करीब 9.35 बजे तक बलरामपुर कार्यालय के पास सामने से प्राचार्य आ रहे थे। उनके पूछने पर उसने बताया कि मैं लाइब्रेरी हॉल जा रहा हूं, तभी उसे अनायास मारा गया। पुनः आगे आ जाने पर उन्हीं के द्वारा पीछे से उसकी चुंडी पकड़कर फिर मारा गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष लाइन बाजार

को सूचित किया गया है। कलेक्ट्रेट में चल रहे छात्रों के धरना-प्रदर्शन को कालेज के चीफ प्राक्टर डा.राजीव रतन सिंह, डा. हरिओम त्रिपाठी ने समझा-बुझाकर खत्म कराया। इस मौके पर छात्रनेता गौरव सिंह, ओम पांडेय, मणिप्रकाश शुक्ल, उद्देश्य सिंह, सत्यम त्रिपाठी, कौतुक उपाध्याय, अंजनी कुमार उपाध्याय आदि मौजूद रहे। इस बाबत टीडी कालेज के चीफ प्राक्टर डा.राजीव रतन सिंह ने कहा कि प्राचार्य की तरफ से किसी भी छात्र की पिटाई नहीं हुई। एक दिन पूर्व छात्रों की चेकिंग की गई थी। इसमें काफी ऐसे बाहरी मिले जो सफेद शर्ट पहनकर कालेज के छात्र बन जाते हैं। इसको रोकने के लिए कड़ाई के लिए छात्रों का आई कार्ड व फीस रसीद चेक किया जा रहा है। इसको लेकर छात्रनेता मामले को तूल पकड़ा रहे हैं।

बिना खाद्य लाइसेंस चल रहा कालेज का किचन

अंबेडकरनगर, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा जिलाधिकारी के निर्देश पर शुक्रवार को मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी केके उपाध्याय के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रत्नाकर पांडेय, अखिलेश मौर्य ने राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के मेस के किचन का निरीक्षण किया। इस दौरान वार्डन वैशाली की उपस्थिति में एएस गर्ल्स छात्रावास के किचन से मौके से तैयार सब्जी का निगरानी नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया। मौके पर खाद्य सुरक्षा विभाग का लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया जा सका और विशेष साफ-सफाई भी नहीं रहा। इसके बाद निरीक्षण टीम लोहिया छात्रावास कर निरीक्षण किया जहां से चना दाल का विधिक नमूने लेकर जांच के लिए भेजा। मैनेजर यहां पर भी खाद्य सुरक्षा विभाग का लाइसेंस नहीं दिखा सका। खाद्य सुरक्षा अधिकारी हंसराज प्रसाद द्वारा प्राथमिक विद्यालय हाशिमपुर बरसाना का किचन निरीक्षण किया। वहां पर बच्चों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया। किचन से तहरी का नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया। इस सबंध में खाद्य सुरक्षा अधिकारी पांडेय ने बताया कि सभी स्थानों से नमूने एकत्र कर परीक्षण के लिए भेजा गया है। लाइसेंस न दिखाने पर विधिक कार्यवाही भी की जाएगी।

सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

सोनभद्र, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान वाराणसी द्वारा जिले में पांच दिवसीय उद्यमिता संवेदीकरण विकास कार्यक्रम का आयोजन लार्ड बुद्धा इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट में किया गया। मुख्य अतिथि डीआईसी के अजीत सिंह के द्वारा उद्घाटन किया गया। वहीं सेंटर डायरेक्टर चन्द्रेश कुमार द्वारा बताया गया कि इस प्रकार के कार्यक्रम से युवक-युवतियों के अन्दर नई ऊर्जा का संचार होता है और वे आगे चलकर जीवन की नई ऊंचाई को प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा डूडा सिटी मिशन मैनेजर बृजेश पटेल द्वारा प्रदेश और केन्द्र सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में 50 युवक-युवतियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम प्रभारी हेमन्त प्रताप सिंह सहित संजय कुमार सिंह, सीमा मौर्या, विमलेश, मंगल, साधना आदि लोग मौजूद रहे।

दुष्कर्मी को बीच चौराहे पर देनी चाहिए फांसी - अंजू चौधरी

वाराणसी, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अंजू चौधरी ने तालिबानी तरीके से सजा देने की हिमायत करते हुए विवादित बयान दिया है कि दुष्कर्मियों को चौराहे पर फांसी देकर लटका देना चाहिए। सर्किट हाउस में रविवार को मीडिया से बातचीत में अंजू चौधरी ने कहा कि बहन-बेटियों के साथ दुष्कर्म जैसी घिनौनी हरकत करने वालों को तीन तरह की सजा देनी चाहिए। रेप करने वालों का ऐसा इलाज हो कि वह पुरुष ही नहीं रह जाएं या फिर उन्हें आजीवन कारावास की सजा हो। बांदा में एक महिला सिपाही के साथ उत्पीड़न के बाद आत्महत्या के प्रकरण में राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अंजू चौधरी ने कहा कि जो पुलिस सुरक्षा के लिए है, वहीं अगर ऐसी हरकत करे तो फिर क्या कहा जाए। जब पुजारी ही भगवान को चुरा लेगा तो कोई कैसे सुरक्षित रहेगा। महिला सिपाही द्वारा आत्महत्या के मामले में राज्य महिला आयोग गंभीर है, प्रकरण की जांच कराई जाएगी। जो भी दोषी होगा बख्शा नहीं जाएगा। अंजू चौधरी का कहना है कि महिला अपराध के मामले में कानून इतना सख्त होना चाहिए कि अपराधी अपराध करने से डरे। मिडिल ईस्ट में इतना सख्त कानून है कि अगर चोरी करते कोई पहली बार पकड़ा जाता है तो बीच चौराहे पर उसके दोनों हाथ काट दिए जाते हैं, यही वजह है कि वहां पर चोरी अपहरण जैसा कोई भी अपराध नहीं होता है। महिलाएं महिलाओं का सबसे बड़ा दायित्व है कि अपने बच्चों को दिमागी रूप से बीमार न बनाएं। उन्हें अच्छे संस्कार दें। अपने बेटों को बताएं कि लड़किया, बहनें और बेटियां होती हैं। पहले पुरुषों की मानसिकता बदलने की कोशिश करनी चाहिए। अगर पुरुषों की मानसिकता बदलेगी तो महिलाएं भी सुरक्षित रहेंगी।

मुसहर बस्ती में फैला डायरिया, बालिका की मौत

आजमगढ़, मुसहर बस्ती गंजोर में डायरिया की वजह से एक बालिका की मौत हो गई जबकि आठ लोग बीमार हैं। विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में इनका उपचार चल रहा है। जानकारी होते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में पहुंचकर डेरा डाल दिया है। टीम ने डायरिया की वजह दूषित पानी को माना है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने डायरिया फैलने की बात स्वीकारी पर फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताया है। डायरिया से पंचम की तीन वर्षीय पुत्री नंदिनी की मौत हुई है। इसके अलावा बीमार लोगों में गांव के राहुल (3) पुत्र पंचम, संदीप (6) पुत्र पंचम, लाली (65) पत्नी पलट, गुलाब (6) पुत्र अवधू, अनीता (3) पुत्र शुभम, लाली (60) पत्नी दुशासन, प्रियंका (6) पुत्री विनोद, करिया (8) पुत्र अवधू शामिल हैं। राहुल, संदीप व लाली को उपचार के लिए पीजीआई चक्रपानपुर में भर्ती कराया गया है तो वहीं गुलाब, अनीता, लाली को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहनगर व प्रियंका व करिया को प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि पंचम के घर से बच्चों को उल्टी-दस्त शुरू हुई तो पूरे गांव में डायरिया फैल गया। सभी को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। यहां उपचार के दौरान नंदिनी की मौत हो गई। डायरिया से मौत की सूचना जैसे ही स्वास्थ्य विभाग को सुबह मिली। हड़कंप मच गया। सीएमओ डा. रवींद्र कुमार ने तुरंत स्वास्थ्य विभाग की टीम को गांव में भेजा। मेंहनगर स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. राजेश कुमार अपनी टीम फार्मासिस्ट कमलेश, पवन यादव के साथ गांव में डेरा डाले हुए हैं। प्रभारी चिकित्साधिकारी ने बताया कि गांव में कोई भी इंडिया मार्का हैंडपंप टू नहीं है। इसकी वजह से छह नंबर के हैंडपाइप से गांव के लोग पानी पीते हैं। इसी दूषित पानी को पीने से डायरिया फैला है। पूरे बस्ती के हैंडपाइप में दवा डाल दी गई है। बीमार लोगों का उपचार किया जा रहा है।

मंदिर निर्माण करते समय बीम ढहा, आधा दर्जन घायल

बस्ती, बनकटी विकास खंड के कबरा ग्राम पंचायत में समय माता के मंदिर का निर्माण कार्य ग्रामीणों के सहयोग से कराया जा रहा था। शनिवार सुबह से कार्य चल रहा था। शाम को पांच बजे मंदिर का बीम ढह गया। जिससे वहां कार्य कर रहे मजदूर व श्रमदान कर रहे आधा दर्जन लोग चपेट में आ गए। इनमें दो लोगों की हालत गंभीर देखते हुए ग्राम प्रधान की मदद से उन्हे जिला अस्पताल पहुंचाया गया। कबरा ग्राम पंचायत के पाठकपुरवा गांव में समय माता मंदिर का निर्माण कार्य लगभग एक पखवारे से हो रहा है। शनिवार को निर्माण कार्य चल रहा था। मजदूर और स्वेच्छा से श्रम दान करने वाले तकरीबन दो दर्जन लोग काम कर रहे थे। प्रयास था कि शाम तक हर हाल में लिंटर लग जाए, मगर शाम पांच बजे सांचा बनाते समय ही मंदिर का बीम लोड पाकर ढह गया। मौके पर कार्य कर रहे राम अनुज 30 पुत्र अगरनाथ चोट लगने से बेहोश हो गए। हरिद्वार भी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को जिला चिकित्सालय भेजा गया। शेष अन्य घायलों में गोरख, इद्रीश, अगरनाथ, संतकुमार का स्थानीय चिकित्सक से इलाज करवाया गया।

शिक्षक पर छात्र की पिटाई का आरोप

देवरिया, छात्र के कबड्डी खेलने से इन्कार करने पर शिक्षक ने उसकी पिटाई कर दी, जिससे छात्र का बायां हाथ टूट गया। आरोपित शिक्षक मौके से फरार हो गए। घर पहुंचकर छात्र ने परिजनों को जानकारी दी। शनिवार शाम पीड़ित को लेकर परिजन थाने पहुंचे और आरोपित शिक्षक के खिलाफ तहरीर दी। रामपुर कारखाना थानाक्षेत्र के पड़ौली गांव निवासी वरिष्ठ गुप्ता के 13 वर्षीय बेटा पीयूष गुप्ता देसही विकास खंड के महेशपुर स्थित एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा सात का छात्र है। शनिवार दोपहर बाद विद्यालय में खेलकूद शुरू हुआ। शिक्षक की देखकर में जूनियर छात्रों कबड्डी खेल रहे थे। पीयूष तबीयत खराब होने की बात कह कर मैदान में बैठ गया। आरोपित शिक्षक ने उसे भी खेल के लिए आमंत्रित किया। छात्र नहीं उठा तो शिक्षक डंडा लेकर उसके पास पहुंचा और पिटाई शुरू कर दी। पीयूष बेहोश होकर मैदान में गिर गया, जिससे विद्यालय में अफरा-तफरी मच गई। विद्यालय की छुट्टी कर शिक्षक भी खिसक लिए। बाद में आरोपित शिक्षक ने अपने बेटे के साथ पीयूष को उसके घर भेजा। आरोपित शिक्षक खुद गांव छोड़कर फरार हो गया। घायल छात्र ने पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी। देर शाम परिजन छात्र को लेकर थाने पहुंचे। आरोपित शिक्षक पर मारपीट कर हाथ तोड़ने का आरोप लगाकर तहरीर दी। पुलिस ने विद्यालय के प्रबंधक से संपर्क साध कर घटना के बारे में जानकारी जुटाई। प्रभारी थानेदार ने कहा कि जांच की जा रही है। एक्स-रे में पता चलेगा कि छात्र का हाथ टूटा है की नहीं।

पहेली बनी वंशिका और विजय की मौत

इलाहाबाद, झूंसी के न्याय नगर में वंशिका और विजय की मौत पहेली बनती जा रही है। हत्या के बाद आत्महत्या की कहानी पर अडिग पुलिस ऑनर किलिंग से साफ इन्कार कर रही है, जबकि क्षेत्र में इसी की चर्चाएं आम है। वंशिका और विजय की मौत जहां हुई वहां कोई तीसरा भी मौजूद था, इस कहानी पर पुलिस को यकीन नहीं। वंशिका की मां के बयान पर पुलिस अपनी थ्योरी मजबूत मान रही है। अब विजय के घरवाले पुलिस की कहानी को कैसे दूर करेंगे यह वक्त बताएगा। गुरुवार शाम झूंसी थाना क्षेत्र के न्याय नगर कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में बीटीसी द्वितीय वर्ष की छात्रा वंशिका सोनी पुत्र रमेश चंद्र और विजय यादव पुत्र स्व. प्यारेलाल की गोली लगने से मौत हो गई थी। वंशिका का मामा लवकुश ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि विजय ने पहले वंशिका की हत्या की और फिर खुद को गोली मारकर जान दे दी। पुलिस का साफ तौर पर मानना है कि विजय ने पहले वंशिका को मारा फिर खुद को गोली मार ली। कैसे इस सवाल में कई पेंच हैं, लेकिन पुलिस उसे नजर अंदाज करती दिख रही है। लव की इस कहानी में दूसरे एंगल जोड़ने को पुलिस तैयार नहीं। क्षेत्र के लोग मानने को तैयार नहीं कि वंशिका की हत्या के बाद विजय ने आत्महत्या कर ली। ऐसे में हत्याकांड उलझता जा रहा है। कहानी को पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने भी पेचीदा बना दिया है। वंशिका को दो गोली मारी गई। एक गोली उसके पेट से मिली है। पहली गोली बायीं कनपटी की तरफ से लगी और मुंह के पास से निकल गई। जबकि दूसरी गोली सीने पर मारी गई थी। विजय के सिर पर बायीं तरफ से गोली मारी गई। विजय के घरवालों का कहना है कि वह दाएं हाथ से सारे काम करता है, ऐसे में बाएं हाथ से गोली क्यों चलाएगा।

पूर्व सभासद के पुत्र ने तालाब में कूदकर दी जान

मिर्जापुर, मिर्जापुर के कछवा स्थित स्थानीय थाना क्षेत्र के करसड़ा गांव के एक जलकुंभी से पटे तालाब में शनिवार की रात में कछवा केवटान वार्ड के पूर्व सभासद के पुत्र मनोज चौरसिया (30) ने कूदकर जान दे दी। मनोज पेशे से वाहन चालक था और उसे शराब की लत लग गई थी। लोगों ने बताया कि इन दिनों वह काफी शराब पीता था। शनिवार की देर रात भी उसने जमकर शराब पी रखी थी। मनोज पैदल ही कछवा रोड की तरफ गया और करसड़ा गांव के सामने सड़क किनारे जलकुंभी से पटे तालाब को देखकर उसकी तरफ बढ़ने लगा। ग्रामीणों ने बताया कि जब मनोज तालाब के बगल से जाने लगा तो ग्रामीण महिलाओं ने उसे रोका और कहा कि उधर रास्ता नहीं है। मगर वह नहीं माना और बढ़ता गया। फिर अचानक तालाब में कूद गया। उसे कूदते देख महिलाओं ने शोर मचाया और घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने रात में बरैनी गांव से गोताखोरों को बुलाकर तालाब में डूबे युवक को निकालने का प्रयास किया मगर सफलता नहीं मिल सकी। सुबह फिर प्रयास किया गया तो गोताखोर शव को निकालने में सफल हुए। युवक के शव को जब लोगों ने देखा तो उसकी शिनाख्त हुई। घटना की जानकारी पर परिजन मौके पर पहुंचे। मनोज के घर में कोहराम मचा हुआ है। मनोज के पिता स्वर्गीय सतीश चौरसिया दो बार नगर पंचायत के सभासद थे और उनकी पहली पत्नी साधना चौरसिया का पुत्र मनोज था। साधना की एक बेटी ज्योति (24) भी है। साधना की मौत के बाद सतीश चौरसिया ने दूसरी शादी कर ली थी। मनोज के शराब की लत के कारण उसकी पत्नी उसे छोड़कर अपने मायके बिहार चली गई। वहीं बहन ज्योति का अब कोई भी सहारा नहीं बचा। ज्योति अपने भाई के शव को देखकर स्तब्ध रह गई। ज्योति फोटो स्टेट और फोटो ग्राफी का काम करती है।

बेसहारा बुजुर्ग की लाठी बने अवर अभियंता

अदरी (मऊ), इंसानियत आज भी जिंदा है। जिस निःसंतान बुजुर्ग को उसकी संपत्ति हड़पने के बाद पट्टीदारों ने घर से निकाल दिया। उस नेत्रहीन के बुढ़ापे की लाठी बने बिजली विभाग के अवर अभियंता दीपक कुमार मौर्य। इंदारा रेलवे स्टेशन पर गत छह माह से भटकते और आश्रय लिए 80 वर्षीय परशुराम तिवारी को सेवा करने के लिए शनिवार को वे अपने घर लिवा गए। न जात, न बिरादर और न ही जनपद-क्षेत्र के निवासी, न पहले से कोई परिचय, किंतु मानवीय संवेदना और इंसानियत का नाता सबसे बड़ा होता है, साबित किया उन्होंने।

जिसने भी उनके इस कृत्य को देखा-सुना, सराहा। यह करुण कहानी है जनपद गाजीपुर के युसुफपुर मुहम्मदाबाद क्षेत्र के बालापुर गांव निवासी 80 वर्षीय बुजुर्ग परशुराम तिवारी पुत्र स्व. गौरीशंकर तिवारी की। निःसंतान इस बुजुर्ग की वृद्धावस्था में पांच वर्ष पूर्व पत्नी भी साथ छोड़ गईं। इसी बीच पट्टीदारों ने सेवा के बहाने सारी संपत्ति रजिस्ट्री करा ली और बाद में घर से निकाल दिया। किसी तरह भटकते यह बेसहारा बुजुर्ग छह माह पूर्व इंदारा रेलवे स्टेशन पर पहुंचे। इस दौरान विद्युत विभाग में तैनात अवर अभियंता दीपक कुमार मौर्य इंदारा रेलवे स्टेशन से गुजर रहे थे। बुजुर्ग उनसे टकरा गए। फिर जब उन्होंने सहारा दिया तो उनके समक्ष पीड़ा की गठरी खुल पड़ी। कुछ माह कटे परंतु बुजुर्ग की दिक्कतें बढ़ती गईं।

रोज-ब-रोज आते-जाते उनका हाल-चाल ले रहे दीपक ने उनकी बेबसी देखकर अंततः उन्हें अपने साथ रखने की ठान ली। शनिवार को एक वाहन मंगाया और उन्हें लोगों की सहायता से उसमें बैठाकर अपने घर ले गए। दीपक बलिया जनपद के सिकंदरपुर क्षेत्र के नरहनी जमुई गांव के रहने वाले हैं।

बिटकॉइन केस में भाजपा के पूर्व विधायक नलीन कोटडिया महाराष्ट्र से गिरफ्तार

सूरत। 12 करोड़ रुपए के बिटकॉइन केस में भाजपा के पूर्व विधायक नलीन कोटडिया को महाराष्ट्र के धुलिया से अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। इस मामले के मास्टर माइंड किरीट पालडिया, अमरेली के एसपी जगदीश पटेल और पीआई अनंत पटेल समेत अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। सूरत के बिल्डर शैलेष भट्ट की शिकायत सीआईडी क्राइम ब्रांच ने बिटकॉइन केस में कार्यवाही की थी। शैलेष भट्ट की शिकायत के मुताबिक अमरेली पुलिस और स्टेट सीबीआई अधिकारी ने उसे एनकाउंटर करने की धमकी देकर 17 करोड़ रुपए वसूल लिए। भट्ट का आरोप था कि इनमें से 5 करोड़ रूपए स्टेट सीबीआई अधिकारी सुनील नायर ने लिए थे। वहीं 200 बिटकॉइन के 12 करोड़ रुपए इंस्पेक्टर अनंत पटेल और एसपी जगदीश पटेल की जेब में गए। शैलेष भट्ट के मुताबिक 2016 में जब नोटबंदी हुई तो उसके सामने ये सवाल था कि अपने पास मौजूद पैसे को कहां इन्वेस्ट करे। ऐसे में भट्ट अपने एक जानने वाले के जरिए सूरत के व्यापारी किरीट पालडिया के संपर्क में आया। पालडीया ने भट्ट को बिटकॉइन में पैसा लगाने की सलाह दी। थोड़े- थोड़े कर भट्ट के पास 200 बिटकॉइन इकट्ठा हो गए। सीआईडी क्राइम विभाग को दी शिकायत में भट्ट ने आरोप लगाया कि एक दिन सीबीआई अधिकारी सुनील नायर ने अचानक फोन कर धमकाया और गांधीनगर सीबीआई दफ्तर में बुलाया। भट्ट के मुताबिक वहां टॉर्चर रूम में बेतहाशा पिटाई की गई और फिर सुनील नायर ने उसे सीबीआई से छोड़ने के लिए 10 करोड रूपए की मांग की। हालांकि बड़ी मिन्नत करने पर 5 करोड़ रुपए पर समझौता हुआ। भट्ट के मुताबिक सुनील नायर को आंगड़िया के जरिए 5 करोड़ रुपया दिया गया। इसके बाद भट्ट को छोड़ दिया गया।

सीआईडी क्राइम की जांच में खुलासा हुआ कि किरीट पालडिया ने अमरेली पुलिस और भाजपा के पूर्व विधायक नलीन कोटडिया के साथ मिलकर पूरे घटनाक्रम का अंजाम दिया। शैलेष भट्ट से लिए 12 करोड़ रुपयों में से 66 लाख रुपए नलीन कोटडिया दिए गए थे। हांलाकि नलीन कोटडिया ने मामले में अपना नाम सामने आते ही शैलेष भट्ट पर आरोप लगाया कि शैलेष भट्ट ने सूरत के धवल मावाणी का अपहरण कर रु. 150 करोड़ हड़प लिए थे बिटकॉइन केस में भाजपा के पूर्व विधायक नलीन कोटडिया का नाम सामने आया और वह भूमिगत हो गए। नलीन कोटडिया के छिपने के हरसंभव ठिकानों पर पुलिस की अलग अलग टीमों ने छापेमारी की। लेकिन कोटिडया हाथ नहीं आए। कोटडिया के विदेश भाग जाने की आशंका चलते उनके खिलाफ लूक आउट नोटिस भी जारी की गई। सीआईडी क्राइम की पेशकश के बाद अदालत ने नलीन कोटडिया को भगौड़ा भी घोषित कर दिया। फरार नलीन कोटडिया की तलाश में सीआईडी की अलग अलग टीमें लगाई गईं। दूसरी ओर अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीमें भी तकनीकि स्रोतों का उपयोग कर कोटडिया की तलाश कर रही थी। करीब दो महीनों की लंबी मेहनत के बाद अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के डीसीपी दीपेन भद्रन को जानकारी मिली कि नलीन कोटडिया महाराष्ट्र के धूलिया में छिपे हुए हैं। जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम महाराष्ट्र पहुंच गई और रविवार की सुबह धुलिया से नलीन कोटडिया को गिरफ्तार कर अहमदाबाद के लिए रवाना हो गई है। अहमदाबाद लाने के बाद नलीन कोटडिया को सीआईडी क्राइम के हवाले कर दिया जाएगा।

नहर में नहाने गए दो युवकों की पानी में डूबकर मौत

भरुच। जिले के कासद गांव की नहर में नहाने गए दो युवकों की पानी में डूबने से मौत हो गई। मौके पर पहुंची भरुच पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक बारिश का मौसम होने के बावजूद उमस से परेशान भरुच जिले के कासद गांव निवासी दो युवक नहर में नहाने गए थे। जहां कुछ समय बाद दोनों के शव पानी में तैरने लगे। नहर में दो शवों को तैरते देख वहां से गुजर रहे युवकों ने कासद गांव के सरपंच को घटना की जानकारी दी। घटनास्थल पहुंचे कासद गांव के सरपंच ने स्थानीय तैराकों की मदद से शवों को नहर से बाहर निकलवाया और भरुच पुलिस को सूचना दे दी।

तापी नदी में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन पर लगा प्रतिबंध

सूरत। सूरत महानगर पालिका ने तापी नदी में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन पर प्रतिबंध लगा दिया है7 5 फूट से ऊंची प्रतिमाओं को समुद्र में और 5 फूट से कम ऊंचाई वाली प्रतिमाओं के लिए शहर के अलग अलग इलाकों में कृत्रिम तालाब की व्यवस्था की गई है।

सूरत पुलिस आयुक्त और महानगर पालिका आयुक्त ने संयुक्त पत्रकार परिषद में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तापी नदी में प्रदूषण से बचाने के लिए इस साल गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। 5 फूट से अधिक ऊंचाई की गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन समुद्र करना होगा। जबकि 5 फूट से कम ऊंचाई वाली प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए शहर के अलग अलग इलाकों में कृत्रिम तालाब की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि सूरत महानगर पालिक ने गणेश विसर्जन के लिए शहर के सात इलाकों में कृत्रिम तालाब की व्यवस्था की है। सूरत के अठवा झोन, सेंट्रल झोन, वराछा झोन, लिंबायत झोन, उधना झोन, रांदेर झोन और कतारगाम झोन में कृत्रिम तालाब बनाए जाएंगे।

भारत बंद को सफल बनाने के लिए युवा कांग्रेस ने कमर कसी

सूरत। पेट्रोल डीजल की कीमतों में लगी आग एवं महेगाई, बेरोजगारी व राफेल घोटाले के खिलाफ 10 सितम्बर के भारत बंद के ऐलान को सफल बनाने के लिए युवा कांग्रेस ने कमर कसी है।

युवा कांग्रेस गुजरात इकाई के मीडिया समन्वयक व प्रवक्ता शान खान ने एक बयान देते हुए बताया की अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में 2013-2014 अपेक्षा में लगभग आधी है बावजूद उसके पेट्रोल-डीजल की कीमतो के कमरतोड़ वृद्धि हुई है। मोदी सरकार तेल कंपनीयों से सांठगाठ कर देश की जनता को लूटने का काम कर रही है। पेट्रोल-डीजल की कीमते बढने से सिचाई महंगी हो गई परिवहन महंगा हो जाने से तेल दुध, सब्जियों व अनाज समेत अन्य रोजमर्रा की जरुरतों की वस्तुएं भी महंगी हो रही है। जनता महंगाई से त्राहि-त्राहि है। आज देश का युवा बेरोजगारी की समस्या से जुझ रहा है। हर वर्ष 2 करोड़ रोजगार देने का वादा तो धा का धरा ही रह गया उल्टा नोटबंदी-जीएसटी ने करोड़ों रोजगार प्राप्त को बेरोजगार कर दिया। राफेल ममले में भी अनियमित्ता कर एक बड़े घोटाले को अंजाम दिया गया है।

३१ अक्टूबर को पीएम करेंगे स्टैचू ऑफ यूनिटी का लोकार्पण

यह प्रतिमा राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बनेगी : रुपाणी

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ३१ अक्टूबर को गुजरात में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा स्टैचू ऑफ यूनिटी का लोकार्पण करेंगे । गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने रविवार को इस बारे में जानकारी दी । भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से इतर रुपाणी ने कहा कि उन्होंने कार्यकारिणी की बैठक में आजादी के बाद अनेक देशी रियासतों का एकीकरण करने में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान का जिक्र किया ।

गुजरात के मुख्यमंत्री ने कहा, जब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने वर्ष २०१३ में सरदार वल्लभभाई पटेल की दुनिया में सबसे बड़ी प्रतिमा राज्य में स्थापित करने की घोषणा की थी ।

आज हम पूरे देश को बताना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री के परिश्रम, मार्गदर्शन में इसे साकार किया जा चुका है । उन्होंने कहा, देश की एकता, अखंता की प्रतीक, दुनिया की इस सबसे बड़ी प्रतिमा का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ३१ अक्टूबर २०१८ को करेंगे ।

रूपाणी ने कहा, यह प्रतिमा १८२ मीटर की है । आज जब देश की अखंडता और समाज की एकजुटता पर प्रहार किया जा रहा है, ऐसे में सरदार पटेल की यह प्रतिमा राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बनेगी । उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सरदार पटेल के कार्यो को पीछे रखने का काम किया लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार पटेल के कार्यो को दुनिया के सामने लाने का काम किया ।

बता दें कि यह मूर्ति १८२ मूर्ति ऊंची होगी, जोकि दुनिया में सबसे ऊंची है । फिलहाल, दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति चीन में बनी बुद्ध की मूर्ति है, जिसकी ऊंचाई १२८ मीटर है। २०१३ में इस मूर्ति का निर्माण कार्य शुरू हुआ । लगभग २५०० कर्मचारी इसे बनाने का काम कर रहे हैं । इस मूर्ति को बनाने में लगभग २९९० करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं ।

सावन महीने के अंतिम दिन शहर के असारवा में परंपरागत मेले का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे ।

हार्दिक एसजीवीपी अस्पताल से डिस्चार्ज : अनशन जारी

अनशन छावनी से वापस आते समय हार्दिक-पुलिस के बीच विवाद : पाटीदारों में दुर्व्यवहार को लेकर नाराजगी

अहमदाबाद । पास के कन्वीनर और पाटीदार युवा नेता हार्दिक पटेल को रविवार को दोपहर में आखिर में एसजीवीपी अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया । अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद हार्दिक सीधा ग्रीनवुड रिसोर्ट के आवास स्थान की अनशन छावनी पर वापस आये हालांकि पुलिस ने मेइन गेट के पास से हार्दिक की एम्ब्युलन्स रोकने पर हार्दिक और इसके साथियों की पुलिस के साथ काफी विवाद हुआ और एक समय में पुलिस द्वारा जान से मार देने की धमकी दिए जाने पर मीडिया की उपस्थिति में हार्दिक ने पुलिस को इस प्रकार की धमकी नहीं देने की चेतावनी दी । पाटीदारों और पुलिस के बीच काफी विवाद को लेकर माहौल तनावपूर्ण हो गया । पुलिस के दुर्व्यवहार को लेकर पाटीदार समाज में पुलिस के प्रति भारी नाराजगी फैल चुकी । हार्दिक पटेल ने अपने साथियों की मदद से आखिर में चलते ही अनशन छावनी तक पहुंच गए फिर से अपना अनिश्चितकालीन उपवास का १६वां दिन दौर आगे बढ़ाया गया ।

दूसरी तरफ, हार्दिक पटेल एसजीवीपी अस्पताल से सीधा ही अनशन छावनी के स्थल पर पहुंचने पर प्रशासन द्वारा बड़ी संख्या में पुलिस को तैनात किया गया । पुलिस ने रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी और हार्दिक से मिलने के लिए आनेवाले विजिटर्स को फिर से रोकना शुरू कर दिया, जिसे लेकर पाटीदार समाज में फिर एकबार भारी नाराजगी फैल गई थी ।

हार्दिक की तबियत में सुधार होने पर इसे अस्पताल प्रशासन द्वारा रविवार को छुट्टी दे दी गई । हालांकि, हार्दिक एम्ब्युलन्स में अपने अनशन छावनी के स्थल पर वापस जा रहे थे तब पुलिस ने अचानक ही इनकी एम्ब्युलन्स को रोक दिया और इनकी एम्ब्युलन्स को अंदर जाने से मना कर दिया था, जिसकी वजह से हार्दिक और इसके साथियों तथा पुलिस के बीच काफी विवाद हुआ, एक समय में डयुटी पर उपस्थित पुलिस द्वारा मीडिया की उपस्थिति में हार्दिक को जान से मार देने की धमकी दिए जाने पर हार्दिक नाराज हो गये और अधिकारियों को चेतावनी दी मुझे मार देने की धमकी नहीं दो।

कांग्रेस के भारत बंद को कई पार्टी का समर्थन

पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ोतरी के खिलाफ आज भारत बंद रहेगा

अहमदाबाद । पेट्रोल-डीजल की तेजी से बढ़ रही कीमत बढ़ोतरी के विरोध में सोमवार को कांग्रेस द्वारा भारत बंद की अपील की गई है । कांग्रेस के भारत बंद को समर्थन देने के लिए कई पार्टियों ने घोषणा कर दी है । भारत बंद रखकर पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ोतरी को लेकर मोदी सरकार पर भारी दबाव लाने के लिए कांग्रेस ने रणनीति अपनायी है। कांग्रेस ने एनडीए सरकार द्वारा कीमत बढ़ोतरी के निर्णय के विरूद्ध यह अपील की गई है। सरकार के विरूद्ध विरोध प्रदर्शन में आगे आने के लिए कांग्रेस पार्टी ने सभी विपक्षी पार्टियों और सीविल सोसाइटी के संगठनों को अपील की है । कर्नाटक में शासक दल ने बंद को समर्थन देने की घोषणा की है ।

जेडीएस-कांग्रेस गठबंधन सरकार सीधी तरीके से इसमें शामिल नहीं है लेकिन पार्टी ने समर्थन देने की घोषणा की है । शहरों में विरोध प्रदर्शन और रैलियों में कांग्रेस को पार्टी साथ देगी । पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौडा नई दिल्ली में विरोध रैली में हिस्सा लेंगे । सुबह से

शाम तक यह बंद की अपील की गई है । बंद के दौरान कोई हिंसा की घटना नहीं हो इसके लिए कई कदम उठाये गये है । पूर्व मुख्यमंत्री और ऑल इंडिया कांग्रेस समिति के महामंत्री रविवार को राज कोट की मुलाकात पर पहुंचे । रविवार को आयोजित की गई प्रेस कॉन्फरन्स में सुशीलकुमार शिंदे ने बताया है कि, हार्दिक की मांग को लेकर सरकार को विचार करना चाहिए । कहां तक हार्दिक पटेल को अपनी मांग को लेकर आंदोलन करना पड़ेगा । हार्दिक की मांग कहीं भी व्यक्तिगत नहीं है । पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ोतरी के खिलाफ सभी को सोमवार को भारत बंद में शामिल हो ऐसी मेरी अपील है । पेट्रोल में २०१४ की तुलना में २११.७ फीसदी एक्साइज बढ़ोतरी की गई है । डीजल पर ४४३.०६ फीसदी एक्साइज बढ़ोतरी की गई है ।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com